केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 167 रविवार 7 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

सीएम योगी ने गोरखपुर को दिया साढ़े छह करोड़ की सौगात

गोरखपुर (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की तस्वीर बदल दी है। उनके नेतृत्व में दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। देश की सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। देश में वैश्विक स्तर का इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो रहा है। हर गांव को सड़क, पेयजल आदि की योजनाओं जोड़ने का कार्य हो रहा है। सीएम, शनिवार को गोरखपुर के संझाई में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने 6.47 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण करने के साथ योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी सरकार देश के 140 करोड़ लोगों को परिवार की तरह समझकर प्रतिबद्धता व ईमानदारी के साथ उनकी भलाई के लिए कार्य कर रही है। उसी के परिणाम स्वरूप देश की जनता उनके आह्वान पर लगातार भाजपा को आशीर्वाद प्रदान कर रही है।

सीएम योगी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप बिना भेदभाव सभी गरीबों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। पहले जहां गरीबों के राशन पर राशन माफिया डकैती डालते थे। भ्रष्टाचार के नाते गरीब को राशन नहीं मिलता था, वहीं आज देश में 80 करोड़ तथा यूपी में 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। पहले गरीब स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में दम तोड़ देता था। आज देश में 50 करोड़ व यूपी में 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना के तहत प्रति वर्ष पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर मिल रहा है। नौजवानों को रोजगार प्राप्त हो सके, इसके लिए कार्य हो रहे हैं। गांव में लोगों को मकान का मालिकाना अधिकार देने के लिए स्वामित्व योजना, किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि योजना संचालित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिनको पात्रता के बावजूद योजनाओं का लाभ नहीं मिला है उन्हें हर हाल में इससे लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की गारंटी वैन इस संकल्प को आगे बढ़ाने हेतु आई है।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों से संवाद भी किया। प्रधानमंत्री आवास योजना की लाभार्थी रेनू चौहान, पीएम स्वनिधि के दिनेश पांडेय, आयुष्मान योजना के अनिल चंद व उज्ज्वला योजना की लाभार्थी शीला देवी ने अपने अनुभव सुनाया। मुख्यमंत्री ने उनसे पूछा कि कोई दिक्कत तो नहीं हुई, किसी ने रुपया तो नहीं मांगा। सबने कहा, नहीं। इस पर सीएम ने कहा कि यही पीएम मोदी की गारंटी है कि सबको निष्पक्ष रूप से लाभ मिले। संवाद के दौरान उज्ज्वला योजना की लाभार्थी शीला देवी ने इससे हुए फायदे के साथ योगी से एक दूसरी परेशानी बताई। उन्होंने कहा कि उनके ढाई साल के नाती के दिल में छेद है। उन्होंने पूछा कि क्या बच्चे की मां के आयुष्मान कार्ड से बच्चे का भी इलाज हो पाएगा। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि ऐसा नहीं हो पाएगा तो सरकार इलाज के लिए भरपूर आर्थिक मदद देगी। चिंता करने की कोई बात नहीं है। इसे लेकर मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देशित किया और शीला देवी को जनता दर्शन में आकर मिलने को कहा।

एक नजर

माटीकला पुरस्कार हेतु 3 शिल्पकारों का चयन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती । वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु माटीकला बोर्ड बस्ती द्वारा अपरान्ह 1 बजे मण्डल स्तरीय माटीकला पुरस्कार वितरण कार्यक्रम जिला ग्रामोद्योग कार्यालय प्रांगण में सम्पन्न हुआ। इसमें बस्ती मण्डल के तीनों जनपदों (बस्ती, संतकबीर नगर एवं सिद्धार्थ नगर) के कुल 11 माटीकला के शिल्पकारों द्वारा अपने उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। शासन द्वारा परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी की अध्यक्षता में गठित चयन समिति के माध्यम से मण्डल स्तरीय माटीकला पुरस्कार हेतु 03 शिल्पकारों का चयन किया गया।

चयन हेतु विषय विशेषज्ञ आलोक शुक्ला द्वारा प्रथम पुरस्कार हेतु गणेश कुमार जनपद बस्ती, द्वितीय पुरस्कार छोटे लाल जनपद संतकबीर नगर एवं तृतीय पुरस्कार चन्द्र भूषण प्रजापति जनपद सिद्धार्थ नगर को चयनित किया गया। प्रथम पुरस्कार विजेता को रू0–15000.00, द्वितीय पुरस्कार विजेता को रू0–12000.00 एवं तृतीय पुरस्कार विजेता को रू0–10000.00 का चेक एवं सम्मान–पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में उपायुक्त उद्योग हरेंद्र प्रताप, महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र नितेश सिंह, सहायक निदेशक रेशम, अखिल भारतीय कुम्भकार महासंघ बस्ती के अध्यक्ष दिनेश कुमार, एवं संघ के प्रवक्ता हरिकेश प्रजापति, परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी पी0एन0 सिंह, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सिद्धार्थनगर शिवदत्त, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संतकबीर नगर लालेन्द्र सिंह एवं खादी ग्रामोद्योग विभाग के सभी कर्मचारी उपस्थित रहें।

समाधान दिवस में 13 मामले निस्तारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती । जिलाधिकारी के निर्देशानुसार उप जिलाधिकारी विनोद पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी पुलिस शेषमणि उपाध्याय की अध्यक्षता में माह जनवरी 2024 के प्रथम शनिवार को तहसील हर्रैया सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जनपद स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 69 मामले आयें, जिसमें से मौके पर 13 का निस्तारण किया गया। इसमें राजस्व के 28, पुलिस के 13, विकास के 9, गन्ना के 9, विद्युत के 6, शिक्षा के 4 मामले आयें।

जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस में सीएमओ डा. रमा शंकर दुबे, जिला विकास अधिकारी संजय शर्मा, पीडी राजेश झा, उप निदेशक कृषि अशोक गौतम, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डा. अमर सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश शुक्ला, बीएसए अनूप तिवारी, जनपद स्तरीय अधिकारीगण तथा क्षेत्रीय खण्ड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

पुस्तक मेला 7 से

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। जिलें में एक बार फिर से पुस्तक प्रेमियों और साहित्य प्रेमियों के लिए आचार्य राम चन्द्र शुक्ल पुस्तकालय टाउन क्लब परिसर में सात दिनों तक चलने वाले पुस्तक मेले का भव्य आगाज 07 जनवरी से होने जा रहा है जो 13 तक चलेगा. युवा विकास समिति द्वारा नेशनल बुक ट्रस्ट भारत सरकार के सहयोग से आयोजित हो रहे इस पुस्तक मेले का शुभारम्भ आर्य समाज द्वारा हवन पूजन से किया जायेगा, इसके उपरान्त दिन में 12 बजे बस्ती मंडल के मंडलायुक्त अखिलेश सिंह द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन किया जायेगा।

सात दिनों तक चलने वाले पुस्तक मेले में देश के प्रतिष्ठित प्रकाशनों द्वारा अपने पुस्तकों का स्टाल लगाया जा रहा है ।

रेड क्रास की पहलः डीएम ने किया क्षय रोगियों में पोषण सामग्री, कम्बल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। शनिवार को महामहिम राज्यपाल के मंशानुरूप जिला क्षय अस्पताल में जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष रेड क्रॉस सोसाइटी आन्द्रा वामसी द्वारा रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा गोद लिये गये क्षय रोगियों में मानक के अनुरूप पोषण सामग्री मूंगफली, भूना चना, सत्तू, गुड़,गजक व च्यवनप्राश के साथ कम्बल का वितरण किया गया ।

जिलाधिकारी आन्द्रा वामसी ने कहा कि जन सहयोग से क्षय रोग का उन्मूलन संभव है। रेड क्रास सोसायटी की पहल सराहनीय है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुये सरदार कुलवेन्द्र सिंह ने कहा कि रेड क्रास सोसायटी द्वारा जनहित में अनेक कार्य किये जाते हैं। बताया कि ठंड को देखते हुये पात्रों में रात्रि में कम्बल का वितरण किया जायेगा। पोषण सामग्री वितरण के दौरान टीबी अस्पताल के सीएमएस डा.राम प्रकाश, डा. ए.के. वर्मा , डा. आर. के. वर्मा , डा. महबूब आलम , गौहर अली अखिलेश चतुर्वेदी मौजूद थे। रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्य डा. वी. के. वर्मा, राजेन्द्र सिंह राजवत, कुलदीप सिंह,लाडले हैदर रिज्वी, श्याम नारायण चौधरी, विमल पाण्डेय, अफजल हुसैन, राहुल मोदी, काजी फरजान, सरदार दिपेन्द्र सिंह एडवोकेट, आदित्य, सौरभ यादव, चुन्ना प्रसाद, सैनिक कुमार, आयुष सिंह के साथ ही सना खातून, खुशबु यादव, सुफिया आजम, सोनी चौधरी व अलफिया परवेज आदि उपस्थित रहे।

घर-घर पहुंच रहा है श्रीराम लला का पूजित अक्षतः 22 को मनायेंगे दीपावली

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में रामभक्तों और श्रद्धालुओं को निमंत्रण देने का अभियान निरन्तर जारी है। पूजित अक्षत पाकर लोगों में प्रसन्नता हो रही है। विभाग प्रचारक अजय नारायण ने बताया कि जनपद के शहर व ग्रामीण इलाकों में पूजित अक्षत वितरण अभियान कार्यक्रम के तहत घर–घर अक्षत, रामलला के विग्रह का चित्र व आमंत्रण पत्र देकर 22 जनवरी को आनंदोत्सव मनाने का आग्रह किया जा रहा है।

कार्यवाह आशीष जी, भाजपा नेता सिद्धार्थ शंकर मिश्र ने बताया कि जय श्रीराम का जयघोष कर कार्यकर्ता अक्षत वितरण अभियान में बांटे जा रहे आमंत्रण पत्रक के माध्यम से भक्तों को अवगत करा रहे हैं। पत्रक के पिछले हिस्से में मंदिर के स्वरूप व इसकी विशेषताओं की जानकारी दी गई है। पत्रक में बताया गया है कि 32 सीढ़ियां चढ़कर भक्तों को रामलला के दर्शन प्राप्त होंगे। मंदिर में बनने वाले अन्य प्रकल्पों, मंदिर की भी जानकारी दी गई है। कार्यकर्ता लोगों से 22 जनवरी को पूजा, कीर्तन करने व शाम को भव्य दीपावली मनाने का आग्रह कर रहे हैं। मेडिकल कालेज, पोखर भिटवा, परसा टूडी, कुदरहा, लालगंज, बानपुर के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में अक्षत का वितरण किया गया।

डा. लालमणि पाल, त्रयम्ब दुबे , धीरज तिवारी, जानकी, मन्तोष सिंह, श्रद्धेय पाल, गोपेश पाल के साथ ही बड़ी संख्या में लोग अक्षत वितरण कर श्री अयोध्या धाम में श्रीराम मंदिर के प्राण संदेश पहुंचा रहे हैं।

सुनवाई के दौरान सीजेआई चन्द्रचूड़ के सामने व्हिस्की की दो बोतलें लेकर पहुंच गए वरिष्ठ वकील

नई दिल्ली (आभा)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ सुप्रीम कोर्ट की काफी अहम सुनवाई का हिस्सा रहते हैं। उनके फैसले, टिप्पणियां काफी वायरल होती रहती हैं। इसी तरह, एक सुनवाई के दौरान सीजेआई काफी हैरान रह गए। दरअसल, दो शराब कंपनियों के बीच ट्रेडमार्क उल्लंघन विवाद की सुनवाई चल रही थी। इसी दौरान सीजेआई के सामने दो व्हिस्की की बोतलें पेश कर दी गईं। यह बोतलें वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने सीजेआई के सामने पेश कीं।

सीजेआई की अध्यक्षता वाली तीन–न्यायाधीशों की पीठ मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ एक अपील पर सुनवाई कर रही थी। इसमें इंदौर स्थित कंपनी, जेके एंटरप्राइजेज को लंदन प्राइड नाम के तहत बेवरेज बनाने से रोकने के लिए शराब कंपनी पेरनोड रिकार्ड की अपील को खारिज कर दिया गया था।

इसी सुनवाई के दौरान, सीजेआई और जस्टिस जेबी पारदीवाला व जस्टिस मनोज मिश्रा के सामने दोनों बोतलें पेश की गईं। इसके बाद सीजेआई जोर से हंसे और कहा कि आप अपने साथ बोतलें लाए हैं? बाद में सीजेआई से पूछा गया कि क्या वह दोनों बोतलें जो पेश की गई हैं, उसे ले जा सकते हैं? इस पर सीजेआई ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि हां प्लीज ले जाइए।

वहीं, इसके बाद रोहतगी ने जवाब देते हुए कहा कि उन्हें दोनों प्रोडक्ट्स के बीच समानता दिखानी थी। इसके बाद उन्होंने बताया कि इस मामले में ट्रेडमार्क का उल्लंघन कैसे हुआ। इसके बाद बेंच ने मामले में एक नोटिस जारी करते हुए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी और दो सप्ताह के बाद सुनवाई तय की।

बता दें कि पिछले दिनों सीजेआई चंद्रचूड़ उस समय चर्चा में आए थे, जब ऊंची आवाज में बात करने के लिए उन्होंने एक वकील को फटकार लगाई थी। सीजेआई ने साफ किया था कि 23 साल के करियर में अब तक ऐसा नहीं हुआ है, इसलिए आखिरी साल में भी ऐसा नहीं होगा। एक सुनवाई के दौरान सीजेआई ने वकील से कहा था कि एक सेकेंड, अपनी आवाज धीमी करें। आप भारत के सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष बहस कर रहे। अपनी आवाज कम करें, अन्यथा मैं आपको अदालत से बाहर कर दूंगा। उन्होंने वकील की सामान्य कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए पूछा, 'आप आम तौर पर कहां पेश होते हैं? क्या आप हर बार न्यायाधीशों पर इसी तरह चिल्लाते हैं?' उन्होंने जोर देते हुए कहा, 'कृपया पहले अपनी आवाज धीमी करें। अगर आपको लगता है कि आप अपनी आवाज उठाकर हमें डरा सकते हैं, तो आप गलत हैं। ऐसा 23 वर्षों में नहीं हुआ है और मेरे करियर के आखिरी साल में भी ऐसा नहीं होगा।'

सीडीओ की फटकार के बाद एसीएमओ डॉ. एएन त्रिगुण की हालत बिगड़ी

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। बस्ती में सीडीओ की फटकार से क्षुब्ध सीएचसी के सभी एमओआईसी ने सामूहिक रूप से सीएमओ को इस्तीफा सौंप दिया। वहीं दूसरी ओर एसीएमओ डॉ. एएन त्रिगुण को इस प्रकरण के बाद चेस्ट पेन की शिकायत पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में हालत गंभीर होने पर ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया। देर रात उन्हें मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में सीडीओ जयदेव सीएस की अध्यक्षता में आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा बैठक चल रही थी। इसमें आयुष्मान योजना के नोडल ऑफिसर डॉ. एएन त्रिगुण व अन्य स्टाफ मौजूद था। समीक्षा के दौरान सीडीओ ने डॉ. त्रिगुण को बुरी तरह से फटकार दिया। यह खबर चिकित्सकों में फैल गई और उन्होंने सीएमओ की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का बॉयकाट कर दिया। सीएमओ कार्यालय में जमा होकर बैठक की और सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मौजूदा माहौल में काम करना संभव नहीं है। सभी एमओआईसी ने सामूहिक रूप से इस्तीफा देने का निर्णय लिया। इसके बाद चिकित्सक लिखित शिकायत लेकर मंडलायुक्त के पास पहुंचे और अपनी व्यथा रखी। मंडलायुक्त ने शिकायती–पत्र में कुछ बदलाव कर लाने का सुझाव दिया। देर रात तक चिकित्सक मंडलायुक्त कार्यालय पर जमे रहे।

वहीं दूसरी ओर एसीएमओ डॉ. एएन त्रिगुण को चेस्ट पेन की शिकायत पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, बाद में हालत गंभीर होने पर ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया। देर रात उनको मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। एसीएमओ डॉ. एएन त्रिगुण की तबीयत खराब होने की खबर पर जिलेभर के डॉक्टर और कर्मचारी जिला अस्पताल पर जुट गए। मौके की नजाकत को देखते हुए एडीएम कमलेश चंद्र और एसडीएम सदर गुलाब चंद जिला अस्पताल पहुंच कर डॉ. त्रिगुट के हालत की जानकारी ली। देर रात सांसद हरीश दिवेद्वी और सदर विधायक महेंद्र यादव भी जिला अस्पताल पहुंच गए। इस दौरान सभी डॉक्टर व कर्मचारी जिला अस्पताल पहुंचकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं, चिकित्सकों के प्रतिनिधिमंडल ने मंडलायुक्त से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। उनका कहना है कि पिछले तीन–चार माह से बैठकों में उन्हें अपमानित किया जा रहा है। ऐसे माहौल में काम करना संभव नहीं है। एडी हेल्थ बस्ती मंडल डॉ. नीरज पांडेय ने बताया कि चिकित्सकों ने उन्हें मामले से अवगत कराया है। उनका कहना है कि इस माहौल में काम करना संभव नहीं है। चिकित्सकों से धैर्य रखने को कहा गया है, मामला मंडलायुक्त के संज्ञान में है।

सपा की बैठक में बनी लोकसभा चुनाव की रणनीति

बूथ जीते तो चुनाव जीत जायेंगे- महेन्द्रनाथ यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती । समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक शनिवार को पार्टी जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अध्यक्षता में कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुये सभी पांच विधानसभाध्यक्षों को निर्देश दिया गया कि वे बूथ और सेक्टर कमेटी की गहन समीक्षा कर लें। कहा कि लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। बूथ पदाधिकारी अपने–अपने बूथों का स्वयं निरीक्षण कर सुनिश्चित कर लें जिससे मतदान के दिन कोई समस्या उत्पन्न न हो। लोगों को पार्टी के नीति, कार्यक्रम से उन्हें जोड़ा जाय।

बैठक को सम्बोधित करते हुये सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि बूथ कमेटियों के पदाधिकारियों की भूमिका लोकसभा के चुनाव में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। सपा बूथ जीती तो निश्चित रूप से हम चुनाव जीतेंगे। जनता परिवर्तन का मन बना चुकी है।

सपा की मासिक बैठक में पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक कविन्द्र चौधरी अतुल, महासचिव मो. स्वालेह, गुलाम गौस, जावेद पिण्डारी, निजामुद्दीन, समीर चौधरी, ताड़कनाथ, पंकज निषाद, नन्दलाल यादव, अरविन्द यादव, रन बहादुर यादव, मो. उमर, राजेन्द्र चौधरी, रविन्द्र यादव, आदि ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। कहा कि बूथ स्तर पर मजबूती से ही जीत सुनिश्चित होगा।

बैठक में मुख्य रूप से धीरसेन निषाद, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, देवेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, विजय विक्रम आर्य, आर.डी. गोस्वामी, गुलाब सोनकर, तूफानी यादव, श्याम सुन्दर, जिलाजीत यादव, हिमांशु सिंह 'रानू' इरशाद अहमद, कक्कू शुक्ल, भोला पाण्डेय, गंगा यादव, इन्द्रावती शुक्ला, संजय गौतम, सत्य प्रकाश, यूनूस आलम, जयराज यादव, अम्बर अली 'सनी', सन्तराम आर्य, राहुल सोनकर, राम प्रकाश चौधरी, राजू सोनी, राम सुरेश सोनकर, मो. सज्जू, मो. शाद शद्दू, प्रशान्त यादव, राम शंकर निराला, लालजीत चौधरी, गौरीशंकर यादव, जर्सी यादव, राजदेव प्रसाद, डब्बू यादव, रजवन्त यादव, चीनी चौधरी आदि शामिल रहे।

बसपा के मण्डलीय समीक्षा बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। बहुजन समाज पार्टी की मण्डलीय समीक्षा बैठक शनिवार को प्रेस क्लब सभागार में मण्डल प्रभारी कल्पनाथ बाबू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये मुख्य मण्डल मण्डल प्रभारी सुधीर कुमार भारती ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुये बूथ स्तर की तैयारियां पूरी कर ली जाय। उन्होने विधानसभावार सेक्टर, बूथों की समीक्षा पर जोर दिया। कहा कि संगठन द्वारा सर्व समाज को जोड़ने की प्रक्रिया तेज की जाय। लोकसभा के चुनाव में बसपा मजबूती से उतरेगी और कार्यकर्ताओं की ताकत पर बहन जी को प्रधानमंत्री बनाने का सपना साकार होगा।

समीक्षा बैठक में विशिष्ट अतिथि भगवानदास, राम सूरत चौधरी, सीताराम शास्त्री, लालचंद निषाद, विनोद चौधरी आदि ने जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। बसपा जिलाध्यक्ष जय हिन्द गौतम ने जनपद के संगठन के स्थिति के बारे में जानकारी दिया। मण्डलीय समीक्षा बैठक में संतकबीर नगर जिलाध्यक्ष धर्मदेव प्रियदर्शी, सिद्धार्थनगर जिलाध्यक्ष दिनेश गौतम, बस्ती जिला प्रभारी संजय धूसिया, डा. आलोक रंजन वर्मा, जे.पी. गौतम, छटंकी प्रसाद, ओम प्रकाश, राना अम्बेडकर, अतर सिंह गौतम, प्रेम सागर गौतम, शैलेन्द्र कुमार गौतम, रामकरन गौतम, रामचेत निराला, भवानीभीख, नायब चौधरी, प्रमोद कुमार, यशवन्त निगम, शमीम अंसारी, रामदेव प्रेमी, लाल बहादुर, कृपाशंकर, देशराज गौतम, राजेन्द्र गौतम, दीपक कुमार, दिवाकर गौतम, कृपाशंकर गौतम, प्रदीप गौतम, शिवशंकर चौधरी, अरशद खान, मस्तराम प्रजापति, नायब चौधरी, आर. डी. प्रेमी, दीपलाल, प्रमोद कुमार, शिवराम कन्नौजिया, रामदास एडवोकेट के साथ ही बसपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 7 जनवरी 2024 रविवार

सम्पादकीय

विलुप्त होते पशु पक्षी

हर साल 5 जनवरी को प्रकृति प्रेमी, पर्यावरणविद, पक्षी रक्षक और पक्षीप्रेमी इस दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। राष्ट्रीय पक्षी दिवस पक्षियों के प्रति प्यार जताने एवं उनके संरक्षण के लिये प्रतिबद्ध होने का एक खास दिन है। 2002 में पहली बार राष्ट्रीय पक्षी दिवस मनाने की शुरुआत हुई। सिर्फ अमेरिका में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में पक्षी प्रेमियों और अन्य लोग समान रूप से इस दिवस को मनाते हैं। भारत में भी इस दिवस को मनाने की विशेष प्रासंगिकता है, क्योंकि यहां भी अधिकांश पक्षी प्रजातियों को गंभीर भविष्य का सामना करना पड़ रहा है या वे विलुप्तता की कगार पर है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में इस दिवस को व्यापक पैमाने पर मनाया जाता है। अक्टूबर में प्रकाशित यूएस नॉर्थ अमेरिकन बर्ड कंजर्वेशन इनिशिएटिव की 2022 स्टेट ऑफ बर्ड्स रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में आधे से अधिक पक्षी प्रजातियों में गिरावट आ रही है और लगभग सभी आवासों में इन पक्षियों की आबादी कम हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले 50 वर्षों में पक्षियों की लगभग 70 प्रजातियों ने अपनी आबादी का कम से कम आधा हिस्सा खो दिया है और अगर संरक्षण के प्रयासों में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं की गई तो अगली आधी सदी में वे बाकी आधी आबादी खो देंगे। भारत में भी पक्षी विलुप्ति एक गंभीर मुद्दा है जिसका हमें ध्यान रखना चाहिए। भारत सहित दुनिया में धीरे–धीरे विलुप्त हुए कुछ पक्षियों के नाम हम देखते है जैसे जंगली उल्लू, बेयर पोचार्ड, जॉर्डन कोर्टर, भारतीय गिद्ध, हिमालयन बटेर, साइबेरियन क्रेन, बंगाल फ्लोरिकन दुबला–पतला गिद्ध, सोसिएबल लैपविंग, लाल सिर वाला गिद्ध, सफेद पीठ वाला गिद्ध, महान भारतीय बस्टर्ड, सफेद पेट वाला बगुला, गुलाबी सिर वाली बतख, स्पून–बिल्ड सैंडपाइपर, गौरेया, मोर आदि। मनुष्य के जीवन और प्रकृति के बीच संतुलन को बनाए रखने के लिए हमें पक्षियों की संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता और संगठित कार्रवाई की आवश्यकता है। जब हम पक्षियों को संरक्षित रखते हैं, तो हम अपने आप को और आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ और सुरक्षित प्राकृतिक वातावरण का उपहार देते हैं।

मनुष्य का लोभ एवं संवेदनहीनता भी त्रासदी की हद तक बढ़ी है, जो वन्यजीवों, पक्षियों, प्रकृति एवं पर्यावरण के असंतुलन एवं विनाश का बड़ा सबब बना है। मनुष्य के कार्य–व्यवहार से ऐसा मालूम होने लगा है, जैसे इस धरती पर जितना अधिकार उसका है, उतना किसी ओर का नहीं– न वृक्षों का, न पशुओं का, न पक्षियों का, न नदियों–पहाड़ों–तालाबों का। दरअसल हमारे यहां बड़े जीवों के संरक्षण पर तो ध्यान दिया जाता है, पर गौरेया जैसे छोटे पक्षियों के संरक्षण पर उतना नहीं। वृक्षारोपण, जैविक खेती को बढ़ाकर तथा माइक्रोवेव प्रदूषण पर अंकुश लगाकर पक्षियों को विलुप्त होने से बचाया जा सकता है। अब भी यदि हम जैव विविधता को बचाने का सामूहिक प्रयास न करें, तो बहुत देर हो जाएगी।

पृथ्वी पर हमें विभिन्न प्रकार के पशु–पक्षी मिलते हैं, जो हमारे प्राकृतिक वातावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा एवं प्रकृति संतुलन का सशक्त माध्यम हैं। दुनियाभर में जानवरों और पक्षियों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है। यह गिरावट न केवल पर्यावरणीय परिवर्तनों के कारण हो रही है, बल्कि मुख्य रूप से मनुष्य की असंवेदनशील गतिविधियों और उनकी अज्ञानता के कारण भी हो रही है। इंसानी गतिविधियां जैसे नगरीकरण, उर्वरकों और कीटनाशकों का अधिकतम उपयोग, वायु यातायात और भूमि संपत्ति की विस्तार योजनाएं हैं। पक्षी विलुप्ति एक गंभीर समस्या है, क्योंकि पक्षियों का महत्वपूर्ण योगदान हमारी प्राकृतिक पेयजल और खाद्य सुरक्षा में होता है। पक्षियों को बीज और फल बोने, उगाने और फैलाने का महत्वपूर्ण कार्य मिलता है, जिससे वनस्पतियों का प्रजनन होता है। इसके अलावा, पक्षी भी कीट–नियंत्रण करने में मदद करते हैं, जो हमारे खेती और फसलों को सुरक्षित रखता है। पक्षियों का एक और महत्वपूर्ण योगदान हमारे बायोडायवर्सिटी की सुस्थिति बनाए रखना है। पक्षियों के संकट ग्रस्त होने से हमारे प्राकृतिक परिदृश्य, बायोलॉजिकल संतुलन और वातावरणीय सेवाओं में कमी आती है। जंगलों की कटाई, अनुचित वन्यजीव व्यापार, औद्योगिकीकरण, वन, आग, जल प्रदूषण, हवा प्रदूषण, जैव उपयोग और जलवायु परिवर्तन के कारण पक्षियों के आवास की हानि हो रही है। इसके अलावा, जीवाश्मी शस्त्रधारी पक्षी जैसे कीटों और रोगों के आक्रमण के कारण भी पक्षियों की संख्या में गिरावट होती है।

पक्षियों को विलुप्ति से बचाने के लिये हमें अपने जीवन शैली में सतत वन्यजीवों के लिए स्थान छोड़ना होगा, जैसे कि उनके आवास के लिए उपयुक्त वन, नदी और झीलों की सुरक्षा और सफाई का ध्यान रखना होगा। हमें जैव उपयोग पर नियंत्रण लगाना होगा। कीटनाशकों का सतत उपयोग रोकना चाहिए और पर्यावरण के प्राकृतिक तरीकों से कीटों और रोगों का नियंत्रण करना चाहिए। वन्यजीवों के आहार और आवास को सुरक्षित रखने के लिए विभिन्न संगठनों, सरकारी निकायों और जनसाधारण को मिलकर काम करना चाहिए। हमें प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने के लिए विभिन्न सुरक्षा क्षेत्रों और अभयारण्य की स्थापना करनी चाहिए। जनसंचार और शिक्षा के माध्यम से लोगों को पक्षियों के महत्व के बारे में जागरूक करना चाहिए और उन्हें यह जानने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए कि वे अपने आसपास के पक्षियों के लिए संरक्षण कार्यों में सहभागी बन सकें।

मौजूदा समय में पशुओं एवं पक्षियों की संख्या का लगातार घटना एक अत्यन्त चिन्ताजनक स्थिति है। पक्षी विज्ञानी हेमंत सिंह के अनुसार गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। यदि इसके संरक्षण के उचित प्रयास नहीं किए गए तो हो सकता है कि गौरैया इतिहास का प्राणी बन जाए और भविष्य की पीढ़ियों को यह देखने को ही न मिले। ब्रिटेन की 'रॉयल सोसायटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्डस' ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को 'रेड लिस्ट' में डाला है। आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह ह्रास ग्रामीण और शहरी, दोनों ही क्षेत्रों में हुआ है।

मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है, अनेक कारणों से उसकी संख्या भी घट रही है, जबकि मोर एक बहुत ही सुन्दर तथा आकर्षक पक्षी है। यह भारत के सभी क्षेत्रों में पाया जाता है। मोर के सर पर मुकुट जैसी खूबसूरत कलंगी होती है। इसकी लम्बी गर्दन पर सुन्दर नीला मखमली रंग होता है। मोर की मादा मोरनी कहलाती है। मोर के अद्भुत सौंदर्य के कारण ही भारत सरकार ने 26 जनवरी, 1963 को इसे राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया था। हमारे पड़ोसी देश म्यांमार और श्रीलंका का राष्ट्रीय पक्षी भी मोर ही है। मोर का शिकार भारत में पूर्णतया प्रतिबंधित है। इसे भारतीय वन्य–जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत पूर्ण संरक्षण दिया गया है फिर भी मोर का बड़ी मात्रा में शिकार हो रहा है। मनुष्य के हाथों से रचे कृत्रिम संसार की परिधि में प्रकृति, पर्यावरण, वन्यजीव–जंगल एवं पक्षियों का कलरव एवं जीवन–ऊर्जा का लगातार खत्म होते जाना जीवन से मृत्यु की ओर बढ़ने का संकेत है।

शुगर लाबी ने छीन लिया चीनी का कटोरा

–वीरेन्द्र मिश्र दीपक–

पूर्वी उत्तर प्रदेश (पूर्वांचल) की धरती पर कभी बत्तीस चीनी मिलें, जो यहां की फिजां में मिठास घोलती थीं, एक –एक करके बंद कर दी गईं। याद आता है वह दौर जब ऊंख (गन्ना) लदी बैलगाड़ियों में जुते बैलों के गले में बंधीं घंटियां रात की नीरवता को चीरकर किसानों के सपनों को हरियर करती थीं। खेतों में खड़े गन्ने की फसल को देखकर किसान की आंखों की चमक बढ़ जाती थी, क्योंकि इसी के सहारे पुरबियों के यहां बिटिया के बियाह, बच्चों की पढ़ाई–लिखाई, घर भर का साल भर का कपड़ा –लत्ता, उधार –बाढ़ी चुकाने और इज्जत हुरमत सबकुछ टिका हुआ था। समझदार किसान गन्ना के घोहा पर धनिया और आलू बोकर अलग से लाभ कमा लेते थे। पहली फसल काटने के बाद किसान दूसरी फसल के लिए खेत में गन्ना की पेड़ी छोड़कर दुबारा जोतने –बोने के झंझट से मुक्त भी हो जाता था।गोरखपुर, बस्ती और आजमगढ़ मंडल में कुल मिलाकर बत्तीस सरकारी चीनी मिलें यहां के किसानों की कमाई और पढ़े लिखे और अनपढ़ नौजवानों के रोजी –रोजगार का साधन थीं। यह सबकुछ इस इलाके के हाथ से किसानों में राजनीतिक जनचेतना के अभाव में कुटिल नेता –अधिकारी और व्यापारियों के गठजोड़ (शुगर लाबी) ने छीन लिया।

'सरकार की गलत शीरा (मोलैसिस)नीति जिम्मेदार'

अबतक हुए रिसर्च के मुताबिक गन्ना एक ऐसा बाटनिकल प्लांट है, जिसमें शुगर समेत बत्तीस प्रकार के केमिकल पाये जाते हैं। दुनिया के तमाम देशों की अर्थव्यवस्थाएं गन्ने से ही बखूबी संचालित हो रही हैं, मगर इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि विकास का ढिंढोरा पीटकर अबतक सत्ता में आने वाली सरकारों ने श्गन्ना विकास और अनुसंधानश के लिए कुछ भी नहीं किया है। दशकों पहले कांग्रेस शासनकाल में जब कुशीनगर जिले में श्गेंदासिंह गन्ना अनुसंधान केन्द्र सेवरहीश की स्थापना हुई थी, तो लगा था कि सरकार इस ओर अपेक्षित ध्यान दे देगी तो पूर्वांचल के अभिशापित किसानों के भाग्य संवर जाएंगे। मगर हुआ इसका उल्टा। कांग्रेस शासनकाल के बाद आई प्रदेश सरकारों ने इस दिशा में कुछ भी करने से आंख मूंद लिया। करोड़ों रुपए खर्च कर स्थापित हुए इस संस्थान की बरबादी के साथ ही यहां के किसान अपनी बदहाली पर आंसू बहाने को अभिशप्त हैं।

गलत शीरा नीति और मुनाफाखोरी ले डूबी

गैर कांग्रेसी प्रदेश सरकारों की 'मिल मालिक मुखापेक्षी शीरा नीति' से ज्यादा मुनाफा कमाने की होड़ ने पूर्वांचल के हाथ से चीनी का कटोरा छीन लिया। यहां के अनपढ़ किसानों को पहले चीनी का परता कम होने का हवाला देकर लूटा गया। फिर निर्धारित चीनी बनाने की प्रक्रिया को किनारे करके मोलैसिस (शीरा) बनाया गया। इसके पीछे चीनी की तुलना में शीरे से ज्यादा मिलने वाला मुनाफा ही रहा है। मिल मालिक यही धोखाधड़ी पश्चिमी उत्तर प्रदेश और यहां तक कि महाराष्ट्र और बिहार के किसानों के साथ इसलिए नहीं कर पाए, क्योंकि वहां का समाज चेतना सम्पन्न पहले से ही रहा है। इसके अलावा पूर्वांचल के किसानों में किसी कामन मुद्दे पर एकजुटता की कमी भी इसके लिए कम जिम्मेदार नहीं है।

गन्ने की गांठ –गांठ पर नेता, पत्ते पर अधिकारी और जड़ों में व्यापारी

शुगर लाबी में शामिल नेता, अधिकारी और व्यापारियों के गठजोड़ ने पूर्वांचल में किसानों को इस कदर तबाह किया कि उन्होंने गन्ना बोने से तौबा कर लिया। इसी के साथ शुगर इंडस्ट्री में ताले लग गये। इसमें कोई दो राय नहीं कि गन्ने की गांठ गांठ पर नेता, पत्ते पर अधिकारी और उसकी जड़ों में व्यापारियों ने कब्जा जमा लिया है, जिसका कोई पुरसाहाल नहीं है। हालत की गंभीरता का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि जहां कभी बत्तीस चीनी मिलें थीं, उस इलाके में महज चार–पांच चीनी मिलें निजी हाथों के जरिए चलाई जा रही हैं, जिन पर किसानों का करोड़ों रुपए बकाया है। बंद हो चुकीं शेष चीनी मिलों की परिसंपत्तियां कौड़ी के मोल बेंची जा चुकी हैं और चीनी का कटोरा (पूर्वांचल) लोगों की आहत उम्मीदों के साथ जाति–धर्म–सम्प्रदाय के मलबे के नीचे दब कर रह गया है।

मो0 –7007670659

संघ, भाजपा पर मेहरबान चीनी मीडिया

–नीरज कुमार दुबे–

एक ओर भारत ने एक बार फिर कहा है कि चीन के साथ उसके संबंध ''सामान्य नहीं'' हैं तो दूसरी ओर दो बड़ी और हैरान करने वाली खबरें आई हैं। पहली खबर यह है कि चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। दूसरी खबर यह है कि चीनी राजनयिकों का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नागपुर मुख्यालय का दौरा करके आया है। सवाल उठता है कि क्या चीन की ओर से आरएसएस और भाजपा को खुश करने का प्रयास किया जा रहा है? सवाल उठता है कि मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार ने अपने सख्त रुख के चलते जिस तरह सैन्य, आर्थिक और रणनीतिक मोर्चे पर चीन को झटके पर झटके दिये हैं क्या उससे राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सारी हेकड़ी निकल गयी है?

हम आपको बता दें कि ग्लोबल टाइम्स में भारत या भारत सरकार की तारीफ होना सामान्य बात नहीं है क्योंकि इस अखबार का काम भारत विरोधी एजेंडा चलाना और भारत के बारे में अफवाहें फैलाना है। इसलिए जब ग्लोबल टाइम्स में ंदह श्रपंकवदह ने अपनी हालिया भारत यात्रा का उल्लेख करते हुए भारत नैरेटिव की सराहना की तो सभी का चौंकना स्वाभाविक था। अगर लेखक अपने लेख में भारत या भारत के प्रधानमंत्री की तारीफ करने का साहस जुटा रहा है तो यकीनन इसके लिए उसने राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अनुमति ली होगी। इसलिए सवाल उठता है कि चीन के मन में कुछ और चल रहा है या उसे भारत की बढ़ती शक्ति का अहसास हो गया है?

जहां तक झांग जियादोंग के आलेख की बात है तो आपको बता दें कि इसमें उन्होंने लिखा है कि मैंने हाल ही में दो बार भारत का दौरा किया। यात्राओं के दौरान मैंने पाया कि भारत की घरेलू और विदेशी स्थिति चार साल पहले की तुलना में काफी बदल गई है। भारत ने आर्थिक विकास और सामाजिक शासन में उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए हैं और इसकी महान शक्ति सपने से वास्तविकता की ओर बढ़ गई है। हालाँकि, संभावित जोखिम और संकट भी सामने आने लगे हैं।

वह लिखते हैं कि एक ओर भारत ने आर्थिक विकास और सामाजिक शासन में बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इसकी अर्थव्यवस्था ने गति पकड़ ली है और यह सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की राह पर है। साथ ही नई दिल्ली ने शहरी प्रशासन में भी प्रगति की है। वह लिखते हैं कि हालाँकि धुंध अभी भी गंभीर है, लेकिन चार साल पहले विमान से उतरते ही जो विशिष्ट गंध आपको महसूस होती थी, वह आम तौर पर गायब हो गई है। इससे पता चलता है कि नई दिल्ली में सार्वजनिक माहौल कुछ बेहतर हुआ है।

वह लिखते हैं कि भारतीय प्रतिनिधियों से बातचीत के दौरान चीनी विद्वानों के प्रति उनका रवैया कहीं–कहीं अड़ियल होने की बजाय अधिक सहज और संयत रहा। उदाहरण के लिए, चीन और भारत के बीच 'व्यापार असंतुलन' पर चर्चा करते समय, भारतीय विद्वान मुख्य रूप से व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए चीन के उपायों पर ध्यान केंद्रित करते थे। लेकिन अब वे भारत की निर्यात क्षमता पर अधिक जोर दे रहे हैं। उन्होंने लिखा है कि इसके अलावा, अपने तीव्र आर्थिक और सामाजिक विकास के साथ, भारत रणनीतिक रूप से अधिक आश्वस्त हो गया है और ष्भारत नैरेटिवष बनाने और विकसित करने में अधिक सक्रिय हो गया है।

वह लिखते हैं कि कूटनीतिक क्षेत्र में, भारत तेजी से एक महान शक्ति बनने की ओर बढ़ गया है। जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभाली है, उन्होंने अमेरिका, जापान, रूस और अन्य देशों और क्षेत्रीय संगठनों के साथ भारत के संबंधों को बढ़ावा देने के लिए बहु–संरेखण रणनीति की वकालत की है। अब, विदेश नीति में भारत की रणनीतिक सोच में एक और बदलाव आया है और वह स्पष्ट रूप से एक महान शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने लिखा है कि रूस–यूक्रेन संघर्ष के संबंध में, भारत ने खुद को पश्चिम से दूर कर लिया है और खुद को विकासशील दुनिया के साथ अधिक निकटता से जोड़ लिया है। साथ ही, पश्चिमी शक्तियों के बारे में भारत की आपत्तियाँ काफी कम हो गई हैं और पश्चिमी देशों के भीतर इसकी गतिविधियाँ लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि अब बड़े पैमाने पर प्रवासी कार्यक्रमों के आयोजन से भी ज्यादा आयोजन हो रहे हैं। वह लिखते हैं कि राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में, भारत पश्चिम के साथ अपनी लोकतांत्रिक सहमति पर जोर देने से आगे बढ़कर लोकतांत्रिक राजनीति की ष्भारतीय विशेषताष को उजागर करने लगा है। वर्तमान में लोकतांत्रिक राजनीति के भारतीय मूल पर और भी अधिक जोर दिया जा रहा है। उन्होंने लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव राम माधव ने ष्लोकतंत्र के भारतीय संस्करणष की आवश्यकता पर बल दिया है।

वह लिखते हैं कि भारत न केवल औपनिवेशिक दासता की हर निशानी को मिटाना चाहता है बल्कि राजनीतिक और सांस्कृतिक रूप से षविश्व संरक्षकष के रूप में भी कार्य करना चाहता है। उन्होंने लिखा है कि दिसंबर 2023 में, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने पहला ष्नॉलेज इंडिया विजिटर्स प्रोग्रामष आयोजित किया, जिसमें 35 देशों के 77 से अधिक विद्वान एक साथ आए। भारतीय विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने एक मजबूत ष्भारत नैरेटिवष के निर्माण के महत्व पर जोर दिया और अर्थशास्त्र, विकास, राजनीति और संस्कृति के संदर्भ में ष्भारत नैरेटिवष की व्याख्या की। उन्होंने लिखा है कि जाहिर है, भारत अब सांस्कृतिक परंपरा के माध्यम से न केवल अपने हितों को साध रहा है बल्कि विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित कर रहा है।

वह लिखते हैं कि आंतरिक और बाह्य नीति में इस तरह के बदलाव भारत की दीर्घकालिक नीति के तर्क के अनुरूप हैं। भारत सदैव अपने आप को विश्व शक्ति मानता आया है। हालाँकि, भारत को बहु–संतुलन से बहु–संरेखण में स्थानांतरित हुए केवल 10 साल से भी कम समय हुआ है और अब यह बहुध्रुवीय दुनिया में एक ध्रुव बनने की रणनीति पर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने लिखा है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों के इतिहास में ऐसे बदलावों की गति कम ही देखने को मिलती है।

वह लिखते हैं कि भारत वास्तव में एक प्रमुख शक्ति है और आंतरिक और बाहरी रणनीतियों में तेजी से बदलाव उसके और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय दोनों के लिए चुनौतियाँ पैदा करता है। ऐसा प्रतीत होता है कि एक परिवर्तित, मजबूत और अधिक मुखर भारत एक नया भू–राजनीतिक कारक बन गया है जिस पर कई देशों को विचार करने की आवश्यकता है।

जहां तक चीनी राजनयिकों की ओर से संघ कार्यालय जाने की बात है तो आपको बता दें कि आरएसएस के पास पिछले महीने अप्रत्याशित मेहमान आए थे। देखा जाये तो चीन और आरएसएस वैचारिक रूप से एक दूसरे के विरोधी हैं। आरएसएस चीन की विस्तारवादी नीति का आलोचक है तो चीन भी संघ का विरोधी माना जाता है। इसलिए तब बड़ी हैरत हुई जब मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक चीन के राजनयिकों के एक समूह ने दिसंबर के पहले सप्ताह में नागपुर के रेशमबाग स्थित आरएसएस स्मृति मंदिर परिसर का दौरा किया। यह चीनी राजनयिकों की ओर से संघ मुख्यालय की पहली यात्रा थी। हम आपको यह भी बता दें कि वैसे हाल ही में विभिन्न देशों के राजनयिकों ने संघ मुख्यालय का दौरा किया है लेकिन चीनी राजनयिकों का दौरा बिल्कुल अप्रत्याशित था।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक दिल्ली के साथ–साथ मुंबई स्थित देश के वाणिज्य दूतावास से चीनी राजनयिकों की एक टीम वर्धा में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का दौरा करने गयी थी। दरअसल हिंदी विश्वविद्यालय चीनी भाषा में भी पाठ्यक्रम चलाता है। वर्धा से चीन की टीम नागपुर भी आई और स्मृति मंदिर का दौरा किया। हालांकि चीनी प्रतिनिधिमंडल की आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात नहीं हो सकी क्योंकि वह उस समय नागपुर से बाहर थे। बताया जा रहा है कि आरएसएस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने चीनी राजनयिकों का स्वागत किया और उन्हें पूरे परिसर में घुमाया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक आरएसएस के एक पदाधिकारी ने यात्रा की पुष्टि करते हुए कहा कि मेहमान शायद दूतावास या वाणिज्य दूतावास के मध्यम दर्जे के अधिकारी थे और उनके साथ विश्वविद्यालय का एक छात्र भी था। बहरहाल, हम आपको याद दिला दें कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 2020 के अपने विजयादशमी भाषण में गलवान झड़प का जिक्र करते हुए कहा था कि भारत को चीन का मुकाबला करने के लिए अपनी शक्ति बढ़ाने की जरूरत है और उद्देश्य हासिल करने के लिए अन्य पड़ोसियों के साथ भी अच्छे संबंध रखने की जरूरत है।

बहरहाल, आरएसएस ने चीनी दल के मुद्दे पर कहा है कि चीन के हिन्दी अध्येताओं का वो दल किसी कार्यशाला में महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा गया था। वहाँ से लौटने के क्रम में वो नागपुर के प्रसिद्ध स्थलों का भ्रमण करने गये थे इसी क्रम में वे हेडगेवार जी के स्मृति स्थल "स्मृति मंदिर" भी गए। आरएसएस की ओर से कहा गया है कि ना ये कोई कार्यालय है ना ही मुख्यालय। यह राजघाट, राजीव स्मृति, इंदिरा स्मृति जैसा बस मात्र एक नमन स्थल है।

कैसे दूर होगी बेरोजगारी

–प्रदीप मिश्र–

आए दिन शेयर बाजार में तेजी और हर महीने के अंत में जीएसटी संग्रह बढ़ने के बावजूद खुशहाली सबके हिस्से में नहीं दिखती है। खासतौर से नौकरी की चाह रखने वाले युवा वर्ग के लिए दिन गिनने मुश्किल हो रहे हैं। करीब 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले देश में इस समय 12 करोड़ युवा–युवतियां बतौर बेरोजगार पंजीकृत हैं। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के अनुसार अक्तूबर, 2023 में बेरोजगारी दर 29 माह के सर्वोच्च स्तर 10.05 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा 15 साल और उससे अधिक आयुवर्ग का है। यह हालात तब हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने 2022 में 6.5 लाख और 2023 में 10 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे हैं। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उन्होंने सांसदों के कामकाज की रिपोर्ट के लिए जो 13 सवाल पूछे हैं, उनमें एक सवाल रोजगार निर्माण का भी है। वैसे, अगस्त, 2023 में संसद में बताया गया था कि भारत सरकार में स्वीकृत 40 लाख से अधिक पदों में से 9.64 लाख पद खाली हैं। यह स्थिति तब थी, जब जून, 2023 तक कर्मचारी चयन आयोग और रेलवे भर्ती बोर्ड ने एक लाख से अधिक पदों पर उपयुक्त पात्रों की संस्तुति कर दी थी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हाल में विधानसभा में बताया कि उनके यहां सितंबर, 2023 तक बेरोजगारी दर 5.2 रही, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह 6.6 प्रतिशत थी। कहा, इस दौरान पंजाब और हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी दर क्रमशः 8.8 और 14.5 प्रतिशत रही। उन्होंने नौ साल में 1.14 लाख नौकरियां दीं। 60 हजार और देने की तैयारी है। हरियाणा में दिसंबर तक 2.9 लाख सरकारी पद खाली थे। इसमें 70 हजार पद शिक्षा विभाग के हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का दावा है कि उन्होंने 37,683 नौकरियां दी हैं। अगले महीने में पांच हजार से अधिक भर्तियां करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश में 2018 के बाद 60,244 से अधिक सिपाहियों की भर्ती भले ही शुरू हो गई है लेकिन पिछले साल सितंबर तक शिक्षक आदि के 1.33 लाख पद रिक्त थे। उत्तराखंड में मार्च 2023 तक 68,586 पद खाली थे, जिनमें 21 हजार से अधिक रिक्तियां शिक्षा विभाग की थीं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सत्ता संभालते ही ढाई लाख नौकरियां देने का वादा किया, लेकिन कुछ घंटों बाद अशोक गहलोत के कार्यकाल में 50 हजार सेवा प्रेरकों की भर्ती रद्द कर दी। उधर, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने 2022–23 में उत्तीर्ण स्नातकों को छह माह तक रोजगार न मिलने पर तीन हजार और डिप्लोमा धारकों को डेढ़ हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता 12 जनवरी से देने की घोषणा की है। बिहार सरकार ने सरकारी स्कूलों के 3.5 लाख संविदा शिक्षक स्थायी कर दिए हैं।

इस बीच एक और रिपोर्ट बताती है कि अक्तूबर–नवंबर में ऑफिस में काम करने वालों की नियुक्तियां 12 फीसदी कम हुई हैं। इसमें आईटी–सॉफ्टवेयर, दूरसंचार और शिक्षा क्षेत्र भी शामिल हैं। इनकी क्रमशः कमी 22, 18 और 17 फीसदी है। आईटी सेक्टर की नौकरियों में सर्वाधिक कमी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रतिकूल प्रभाव है। पेटीएम ने एक हजार लोगों को निकालने पर तर्क दिया कि उन्हें एआई ने अपेक्षा से ज्यादा परिणाम दिया है। वहीं इस साल भारत की स्टार्टअप कंपनियों ने 28 हजार से ज्यादा लोग बाहर कर दिए और नई भर्ती नहीं की।

यही नहीं, बीते दो वर्ष में दुनिया की प्रमुख टेक कंपनियां 4.25 लाख कर्मचारियों की छंटनी कर चुकी हैं। भारत में यह आंकड़ा 36 हजार कर्मचारियों का है। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की नामी कंपनियां गूगल, मेटा (फेसबुक), अमेजन और एपल सहित दुनिया की छह बड़ी कंपनियां भारत में नई नियुक्तियों पर रोक लगाने की योजना बना रही हैं। वजह, बड़ी टेक कंपनियों में वर्तमान में 30 हजार नौकरियां ही हैं। भारत में डेढ़ लाख लोग टेक कंपनियों में काम कर रहे हैं। इन कंपनियों में 2022 के मुकाबले 2023 में नौकरियां 90 फीसदी कम हुई हैं। एआई अपनाने में तेजी के कारण गूगल, नेटफिलिक्स और मेटा में भारत में मांग 78 प्रतिशत कम हो गई है। चिंताजनक यह भी कि बेरोजगारी के साथ एजुकेशन लोन भी बढ़ रहा है। बीते साल एक अप्रैल से अक्तूबर तक 1,1,715 करोड़ रुपये का शिक्षा ऋण लिया गया, जो पांच साल में सबसे ज्यादा है। इसमें विदेश में शिक्षा के लिए कर्ज लेने वालों की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है। यही कारण है कि भारत में अमेरिकी दूतावास ने अक्तूबर, 2022 से सितंबर, 2023 के बीच रिकॉर्ड 1.40 लाख स्टूडेंट वीजा जारी किए।

बेरोजगारी के आंकड़ों में विरोधाभास का कारण है। नेशनल सैंपल सर्वे आर्गेनाइजेशन (एनएसएसओ) आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आधार पर बेरोजगारी के आंकड़े जारी करती है। इसी आधार पर केंद्र सरकार वार्षिक रिपोर्ट जारी करती है। वित्त वर्ष 2022–23 की रिपोर्ट केंद्र सरकार ने अक्तूबर में जारी की थी। फिलहाल बेरोजगारी दर 3.2 प्रतिशत बताने वाली इसी रिपोर्ट को प्रचारित किया जा रहा है। दूसरी तरफ गैर–सरकारी संस्था (सीएमआईई) ने पिछले साल मार्च में 8.11 फीसदी और जुलाई में बेरोजगारी की दर 7.6 प्रतिशत बताई थी। सीएमआईई हर महीने 1.70 लाख से अधिक घरों का सर्वेक्षण कर आंकड़े जुटाती है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि 2014 से 2019 के बीच यह दर छह प्रतिशत से कम रही। 2020 में बेरोजगारी दर 8 फीसदी, 2021 में 5.98 प्रतिशत और 2022 में यह 7.33 फीसदी रही।

घर में सो रहे युवक की गला रेतकर हत्या, घरवालों को नहीं लगी भनक

संवाददाता–कुशीनगर। जिले में विशुनपुरा थाना क्षेत्र के तिलका पट्टी में घर में अकेले सो रहे 30 वर्षीय युवक की शुक्रवार की रात अज्ञात लोगों ने घर में गल्ला रेत कर हत्या कर दी। शनिवार की सुबह छोटे भाई की पत्नी घर में जगाने गई, तो चौकी पर खून से लथपथ शव पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक शर्मा निषाद (30) पुत्र कृपाल कोकिल पट्टी निवासी तिलक पट्टी गांव का निवासी है। वे गांव के पास नहर की पटरी पर एक झोपड़ी डाल कर परिवार पत्नी और पांच बच्चों के साथ रहते है। करीब पांच माह पहले वह बाहर से आया था। शुक्रवार को उसकी पत्नी बच्चों के साथ मायके जुगनी गांव चली गई। शनिवार को सुबह करीब 8 बजे उसकी छोटे भाई की पत्नी जगाने गई, तो पैर के तरफ से शरीर बोरी से ढंका पड़ा था। उनका शरीर शव खून से लतपथ बिस्तर पर पड़ा था। उसने यह बात अपने ससुर से बताई। इसकी सूचना ग्राम प्रधान व पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

समाधान दिवस में 162 के सापेक्ष 14 शिकायतों का निस्तारण

संवाददाता–श्रावस्ती। सभी तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकारियों की ओर से लोगों की शिकायत सुनी गई। जिसमें कुल 162 शिकायती पत्र प्राप्त हुए और 14 का निस्तारण किया गया। जमुनहा तहसील में उपजिलाधिकारी मोहम्मद अहमद फरीद खान ने जनसुनवाई की। यहां जनसुनवाई के दौरान 45 शिकायती पत्र प्राप्त हुए। एसडीएम की ओर से पांच शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया। एसडीएम ने शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए मातहतों को निर्देशित किया। इसके अलावा तहसील भिनगा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी भिनगा पीयूष कुमार जायसवाल ने लोगों की शिकायत सुनी। यहां प्राप्त 23 शिकायती पत्रों के सापेक्ष तीन शिकायतों का निस्तारण किया गया। तहसील दिवस इकौना में अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने जनसुनवाई की। यहां कुल 94 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसमें से मौके पर छह शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों का समय सीमा के तहत निस्तारण करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को उपलब्ध कराया गया। इस मौके पर उपजिलाधिकारी अरुण कुमार आदि मौजूद रहे।

अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बुद्ध के ननिहाल में भी तैयारी

संवाददाता–महराजगंज। राम मंदिर अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा के दिन बुद्ध के ननिहाल में भी जश्न का माहौल होगा। चालीस हजार घरों में अयोध्या का पूजित अक्षत व चित्र पहुंचने से गांव से लेकर शहर राममय होने लगा है। बजारों में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। गिफ्ट व सजावट की दुकानों पर राम से जुड़ी वस्तुओं की डिमांड बढ़ गई है। दुकानदार आर्डर बढ़ा दिए हैं।सदर ब्लाक के सामने के गिफ्ट कारोबारी श्याम मोदनवाल ने बताया कि प्रभु श्रीराम की मूर्ति व उनसे जुड़ी कई सजावटी वस्तुएं मंगाई गई थी। अधिकांश बिक चुकी हैं। लोग पूजा घरों को सजाने के लिए राम से जुड़ी मूर्तियां, लाइटिंग के उपकरण व अनोखी तस्वीर के बारे में पूछताछ कर रहे हैं। मांग को देखते हुए आर्डर लगा दिया गया है। कोशिश के बाद भी खरमास के पहले थोक भाव में सामान नहीं मिल रहा है। लोक निर्माण विभाग कार्यालय के सामने सजावटी व पूजा से जुड़े सामानों का कारोबार करने वाले पप्पू गुप्ता ने बताया कि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बाजार में भी उत्साह का माहौल है। लोग भगवान राम की तस्वीर अधिक खरीद रहे हैं। इसके अलावा मूर्तियां भी बिक रही हैं। गोरखपुर के आर्यनगर से आर्डर देकर राम के चित्र मंगाए जा रहे हैं। बिक्री बढ़ी है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिले में शोभा यात्रा निकलनी शुरू हो गई है। शोभा यात्रा के स्वागत व प्राण प्रतिष्ठा के दिन घरों को सजाने की तैयारी लोगों में देखने को मिल रही है। आकाश गुप्ता का कहना है कि जबसे राम मंदिर से जुड़े कार्यक्रम जिले में शुरू हुआ है तबसे गुलाब व गेंदा के फूल की मांग बढ़ गई है। इसके अलावा राम छाप गमछा की भी डिमांड है। गुलाब व गेंदा फूल हजारीपुर से मंगाया जा रहा है। गमछा के लिए कई दुकानदारों ने गीताप्रेस गोरखपुर में आर्डर लगा दिया है। प्राण प्रतिष्ठा के समय कुछ खास पहचान संजोने के लिए लोगों में अनूठी यादगार राम से जुड़े सामग्रियों के खरीद की लालसा दिख रही है। स्वयं सेवक संघ के जिला प्रचार प्रमुख जीवेश मिश्र का कहना है कि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिले में अध्यात्मिक माहौल बन गया है। स्वयं सेवक संघ के तीन सौ कार्यकर्ताओं की टोली सुबह–शाम अयोध्या से आए पूजित अक्षत, चित्र व निमंत्रण पत्र लेकर घर घर पहुंच रहे हैं। अभी तक करीब चालीस हजार घरों में पूजित अक्षर पहुंच चुका है। घर पहुंचने के बाद लोग टोली का स्वागत कर रहे हैं। आभार जता रहे हैं। अयोध्या की पूजित अक्षत को पूजा घरों में रख रहे हैं। निमंत्रण पत्र में राम मंदिर के बारे में कई जानकारी है।

पूर्वदशम छात्रवृत्ति के लिए 14 जनवरी तक कर सकते हैं आवेदन

संवाददाता–श्रावस्ती। जिला समाज कल्याण अधिकारी डा अमरनाथ यति ने बताया है कि पूर्वदशम छात्रवृत्ति (कक्षा 9 व 10) के लाभ से कोई भी पात्र वंचित न रहें। इसके लिए समाज कल्याण विभाग की ओर से छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि दो जनवरी 2024 से बढ़ाकर 14 जनवरी 2024 कर दी है। इसके लिए आठ जनवरी को दोबारा पोर्टल खोला जाएगा। उन्होंने बताया कि पूर्वदशम छात्रवृत्ति में कक्षा 9 व 10 के अनुसूचित जाति के छात्रों को रुपए 3500 छात्रवृत्ति दी जाएगी।

किसी भी आय सीमा के स्वच्छकारों, विशेष सफाई कार्य से जुड़े परिवारों के बच्चों को भी छात्रवृत्ति का प्रावधान किया गया है। वहीं दशमोत्तर कक्षाओं में पढ़ रहे सामान्य वर्ग,अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र 10 जनवरी 2024 तक एवं अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के छात्र 31 मार्च 2024 तक आवेदन कर सकेंगे।

शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से हो निस्तारण –डीएम

संवाददाता–बलरामपुर। जनवरी माह के प्रथम शनिवार को जिले की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सदर तहसील में आयोजित जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान में जिलाधिकारी अरविंद कुमार सिंह ने फरियादियों की शिकायतें सुनी। इस दौरान डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण करें जिससे फरियादियों को बार–बार अधिकारियों के कार्यालय का चक्कर न काटना पड़े। सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने फरियादियों की शिकायतों को सुनकर उनका समाधान कराया। यहां पर 56 शिकायतें आईं, जिसमें पांच का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों का निस्तारण तीन दिवस के भीतर करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए। डीएम ने कहा कि कई बार छोटे जमीनी विवाद कानून व्यवस्था अनुपालन में बड़ी समस्या बन जाते हैं। लेखपाल व कानूनगो जमीनी विवादों का मौके पर जाकर निस्तारण करें। उन्होंने एसडीएम व तहसीलदार को निर्देशित किया गया कि कानूनगो व लेखपालों पर प्रभावी नियंत्रण रखें। डीएम ने कहा कि नव वर्ष पर सभी अधिकारी व कर्मचारी नई ऊर्जा व उत्साह के साथ विकास कार्यों में तेजी लाएं। अधूरी परियोजनाओं को प्राथमिकता से पूरा करें। योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करते हुए उसका लाभ पात्रों तक पहुंचाएं। इस अवसर पर एसपी केशव कुमार, सदर एसडीएम राजेन्द्र बहादुर सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे। उतरौला में एसडीएम अवधेश कुमार ने फरियादियों की शिकायतें सुनी। यहां पर 45 मामले आए जिसमें दो का मौके पर निस्तारण किया गया। तुलसीपुर में एसडीएम ने फरियादियों की शिकायतों को सुनकर उनके गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण का निर्देश अधिकारियों को दिया। यहां 22 मामले आए जिनमें चार का मौके पर निराकरण किया गया।

मतदाताओं को ईवीएम व वीवीपैट के प्रति करेंगे जागरूक

संवाददाता–बलरामपुर। ईवीएम प्रदर्शन के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम की शुरूआत 10 जनवरी से कराया जाएगा। डीएम अरविंद सिंह ने 10 से 25 जनवरी तक मोबाइल प्रदर्शन वैन के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम को प्रारम्भ करने के निर्देश दिए हैं। डीएम ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर जनपद मुख्यालय एवं सहायक रिटर्निंग आफीसर तहसील स्तर पर ईवीएम व वीवीपैट का प्रदर्शन केन्द 10 जनवरी से स्थापित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जनपद स्तर पर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन केन्द्र स्थापित कराया जाएगा। डीपीआरओ को नोडल अधिकारी ईवीएम व तहसील स्तर पर एसडीएम को प्रदर्शन केन्द्र स्थापित कराने की जिम्मेदारी दी गई है। डीएम ने कहा कि प्रदर्शन एवं जागरूकता के लिए रखे जाने वाले ईवीएम व वीवीपैट के सुरक्षित भंडारण एवं रखरखाव के सम्बन्ध में आयोग से निर्धारित एसओपी का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक व प्रशिक्षित करने के लिए एम–3 माडल की ईवीएम व वीवीपैट पावर पैक बैट्री डीपीआरओ उपलब्ध कराएंगी। ईवीएम व वीवीपैट की सुरक्षा के मद्देनजर प्रशिक्षण खुले आसमान या हैलोजन लैम्प के नीचे किसी भी दशा में न किया जाए। बताया कि ईवीएम व वीवीपैट को जोड़ने व हटाने के समय कंट्रोल यूनिट को बंद कर दें। मॉक पोल के समय बीयू व वीवीपैट को एक साथ रखें जिससे मतदाता अपने डाले गए वोट को देख रहे। कहा कि विधानसभा निर्वाचन के माध्यम से ब्लाकवार जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। तुलसीपुर व उतरौला में 25 जनवरी से आठ फरवरी तक, गैसड़ी में नौ से 23 फरवरी तक अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक मोबाइल वैन टीम सुबह आठ से पांच बजे तक मतदान केन्द्रों पर जागरूकता कार्यक्रम के लिए जाएगी।

लोकसभा चुनाव में खर्च की दरों का निर्धारण करने के लिए कमेटी का गठन किया गया है। डीएम ने निर्वाचन की घोषणा से पूर्व राजनैतिक दलों के साथ विचार विमर्श कर प्रचार के लिए प्रयुक्त की जाने वाली वस्तुओं के रेट चार्ट निर्धारित करने के निर्देश दिए हैं। एडीएम प्रदीप कुमार ने बताया कि गठित कमेटी व मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आठ जनवरी को बैठक बुलाई गई है।

संस्था ने किसान उत्पादक समूहों का नहीं किया गठन, रोका बजट

संवाददाता–बलरामपुर। आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना के तहत एफपीओ बनाने का लक्ष्य ग्रामीण फाउण्डेशन इंडिया लिमिटेड संस्था ने नहीं पूरा किया। संस्था को उपलब्ध कराई गई प्रथम किश्त खर्च न कर पाने के कारण दूसरी किश्त नहीं दी जा सकी है। जिला कृषि अधिकारी डॉ. आरपी राणा ने संस्था के प्रतिनिधि विपिन श्रीवास्तव को कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर लक्ष्य के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए हैं। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को अपर कृषि निदेशक डॉ. पीके गुप्ता, लेखाधिकारी आरएम त्रिपाठी एवं एफपीओ प्रभारी विवेक कुमार को आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना के तहत एफपीओ बनाने के लक्ष्य का संस्था ग्रामीण फाउण्डेशन इंडिया लिमिटेड द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि संस्था ने निर्धारित मानक के अनुरूप कार्यालय नहीं बनाया है। योजना को संचालित हुए छह माह का समय बीत चुका है। कार्यालय पर स्थायी बोर्ड स्थापित नहीं पाया गया। योजना से सम्बन्धित कोई अभिलेख एवं सामग्री नहीं प्राप्त कराई गई। संस्था को जिले में पांच एफपीओ बनाने का लक्ष्य मिला था। उपलब्ध कराई गई प्रथम किश्त न खर्च हो पाने के कारण दूसरी किश्त नहीं दी जा सकी। मानक के अनुरूप कर्मचारियों की तैनाती नहीं होने से योजना की अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। जिला कृषि अधिकारी ने संस्था के प्रतिनिधि को कृषि विभाग के अधिकारियों से समन्वय बनाकर लक्ष्य के अनुसार कार्य करने का निर्देश दिया है।

सीएचसी ठूठीबारी पर जल्द शुरू होगी इलाज, फर्मासिस्ट व स्टाफ नर्स तैनात

संवाददाता–महराजगंज। अब ठूठीबारी क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए निचलौल सीएचसी नही जाना पड़ेगा। बहुत जल्द सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठूठीबारी पर इलाज शुरू हो जाएगी। इसके लिए सीएचसी पर फार्मासिस्ट और स्टाफ नर्स की तैनाती हो गई है। डॉक्टर की तैनाती होते ही 24 घंटे इलाज सेवा शुरू हो जाएगी। 30 हजार आबादी को त्वरित व निःशुल्क इलाज देने के लिए इंडो–नेपाल बार्ड के ठूठीबारी के टोला धरमौली में 30 बेड का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन बनकर तैयार है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2018–19 में 8 फरवरी 2019 को 4.62 करोड़ की लागत से बनने वाली सीएचसी का ऑनलाइन शिलान्यास किया। कार्यदायी संस्था ने वर्ष 2022 में सीएचसी भवन निर्माण कार्य पूरा कर स्वास्थ्य प्रशासन को हैंडओवर कर दिया। लेकिन डॉक्टर और पैरामेडिकल कर्मचारियों की तैनाती नही हुई। मानव संसाधन की कमी के चलते सीएचसी को तत्काल संचालन नही किया जा सका। स्वास्थ्य प्रशासन ने यहां पर फार्मासिस्ट सतीश शंकर वर्मा और स्टाफ नर्स गीता गुप्ता के अलावा दो चौकीदार की तैनाती कर दी है। बहुत जल्द डॉक्टर की भी तैनाती हो जाएगी। इससे क्षेत्रवासियों को घर के नजदीक इलाज कराने की सुविधा मिलेगी। इसके पहले क्षेत्र के लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल इलाज कराने जाना पड़ता है। दूरी के चलते लोगों को त्वरित इलाज मिलना मुश्किल हो गया था। इलाज कराने में समय के साथ आर्थिक नुकसान हो रहा था। फार्मासिस्ट और स्टाफ नर्स की तैनाती होने पर क्षेत्रवासियों में खुशी है। अभय शंकर सिंह, समीउल्लाह, संजय सहानी, योगेंद्र तिवारी, धर्मेंद्र जायसवाल, दिनेश रौनियार, घनानंद जायसवाल, सोनू गुप्ता, राजू भुज, संजय कन्नौजिया और दिलीप चौधरी ने खुशी जाहिर की है। निचलौल सीएचसी अधीक्षक अंग्रेज सिंह ने बताा कि बहुत जल्द ठूठीबारी सीएचसी पर डॉक्टर की तैनाती हो जाएगी। इससे लोगों को त्वरित व निःशुल्क इलाज कराने में सहूलियत मिलेगी। डॉ. नीना वर्मा, सीएमओ ने कहा कि जिले की 17वां सीएचसी ठूठीबारी में बहुत जल्द इलाज शुरू हो जाएगा। फार्मासिस्ट और स्टाफ नर्स के अलावा दो चौकीदार की तैनाती कर दी गई है। डॉक्टर को तैनात करने की प्रक्रिया चल रही है। डॉक्टर की तैनाती होते ही सीएचसी पर इलाज शुरू हो जाएगा।

रेडक्रास सोसाइटी ने कैंप लगा कर गरीबों को बांटे कंबल व उपकरण

संवाददाता–श्रावस्ती। इंडियन रेडक्रास सोसायटी के प्रबंध समिति सदस्य पवनेश शुक्ला की ओर से शनिवार को गिलौला के प्रेम शुक्ला इण्टर कालेज एकघरवा में कम्बल एवं कृत्रिम उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सदस्य विधान परिषद साकेत मिश्रा एवं इंडियन रेडक्रास सोसायटी की अध्यक्ष कृतिका शर्मा ने गरीबों को कंबल व उपकरण वितरित किए।

इस अवसर पर साकेत मिश्रा ने कहा कि रेडक्रास सोसायटी श्रावस्ती की ओर से बेहतर कार्य किया जा रहा है। कंबल वितरण के साथ गरीबों को उपकरण वितरित किए जा रहे हैं। इससे गरीबों को लाभ मिल रहा है। वहीं जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने कहा कि ठंड का प्रकोप बढ़ रहा है। ऐसे में कोई गरीब, बेसहारा एवं निःशक्त व्यक्ति ठंड से प्रभावित न हो। इसके लिए जिला प्रशासन एवं इंडियन रेडक्रास सोसायटी की ओर से लगातार कम्बल वितरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनका मोबाइल नम्बर सदैव गरीबों, असहायों के लिए खुला रहता है। जिस पर वे कभी भी सम्पर्क कर सकते है। इसके अलावा जनता दर्शन में भी 10 से 12 बजे तक स्वयं एवं अन्य अधिकारियों की ओर से कार्यालय में उपस्थित रहकर लोगों की समस्याओं का निवारण किया जा रहा है। रेडक्रास सोसायटी के सचिव अरुण कुमार मिश्र ने बताया है कि शनिवार को एक हजार लोगों को कंबल वितरित किए गए हैं। अभी तक 19 कैम्पों का आयोजन कर जिले के 2247 दिव्यांगों को 1.78 करोड़ के कृत्रिम अंग वितरित किये गये हैं। रेडक्रॉस इसी माह 5247 बुजुर्गों को लगभग पांच करोड़ के उपकरण वितरित करने जा रही है। कार्यक्रम का संचालन जिला शासकीय अधिवक्ता श्रवण कुमार द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी गिलौला गौरव पुरोहित, रेडक्रास सोसायटी के वाइस चेयरमैन, विद्यालय के प्रबन्धक प्रेम शुक्ला, ब्लाक प्रमुख हुजूरपुर अजीत प्रताप सिंह, विद्यालय के अध्यापक अध्यापिकाएं, छात्र–छात्राएं एवं रेडक्रास सोसायटी के अन्य पदाधिकारी व लाभार्थी मौजूद रहे।

पूजित अक्षत कलश यात्रा में जय श्रीराम का हुआ उदघोष

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में शनिवार को अयोध्या धाम स्थित श्रीराम के भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूजित अक्षत कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा के माध्यम से घर–घर पूजित अक्षत, पत्रक व राम मंदिर का चित्र पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

तुलसीपुर नगर में विश्व हिन्दू परिषद के तत्वावधान में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पूजित अक्षत कलश यात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा नगर के गायत्री मंदिर से निकलकर पुरानी बाजार होते हुए चुंगी नाका पहुंचकर समाप्त हुई। यात्रा मार्ग पर राम भक्तों ने पुष्पवर्षा एवं भगवा गेट लगाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत मिथिलेश नाथ योगी ने शोभायात्रा का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह अभियान जन–जन की भागीदारी का उत्सव है। इस महोत्सव में प्रत्येक घर पर श्रीराम जन्मभूमि द्वारा पूजित अक्षत जाएगा जिसका नेतृत्व विहिप के कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है। तुलसीपुर विधायक कैलाशनाथ शुक्ल ने कहा कि पूरा हिंदू समाज राममय हो चुका है। सौभाग्य है कि लोगों को इस ऐतहासिक क्षण का साक्षी बनने का मौका मिलेगा। कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पौत्री अंजली मिश्रा भी उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि यह काम भगवान राम का काम है, हम सभी उन्हीं से हैं। आज प्रधानमंत्री मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी के कर कमलों से हमारी 500 वर्षों की प्रतीक्षा पूर्ण हो रही है। शोभा यात्रा में आरएसएस जिला प्रचारक अनिल, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंह, जिला महामंत्री विष्णु देव गुप्ता, विभाग सेवा प्रमुख श्याम सुंदर, नगर कार्यवाह श्रीप्रकाश सिंह, सीमा जागरण मंच के जितेंद्र वर्मा, मंडल अध्यक्ष बृज गोपाल पाण्डेय, दिलीप गुप्ता, अरुण देव आर्य, पंकज जायसवाल आदि श्रद्धालु शामिल रहे। सादुल्लाहनगर कस्बा में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ की ओर से निकाली गई पूजित अक्षत कलश की भव्य शोभा यात्रा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान डीजे पर बज रहे धार्मिक संगीतों पर शोभायात्रा के शामिल महिलाएं, बच्चे और युवा थिरकते दिखे। कस्बा के तुलसी विद्यामंदिर से कलश शोभा यात्रा पूरे कस्बे में भ्रमण करते हुए अहरौला स्थित मंदिर पर सम्पन्न हुई। यात्रा में उतरौला विधायक राम प्रताप वर्मा, महंत वीरेंद्र दास, देवानंद, रमेश तिवारी, बहरैची प्रसाद गुप्ता, ज्ञानचंद सोनी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विद्या देवी सोनी, डॉ. विवेक श्रीवास्तव, अखंड प्रताप सिंह, रमेश गुप्ता, गुलाब चंद गुप्ता, अरविंद मिश्रा, अवधेश उपाध्याय, हनुमान प्रसाद, राधेश्याम, राम लौटन, राजेश वर्मा ,विष्णु गुप्ता, दीपचंद जायसवाल, सहित भारी संख्या में महिलाएं शामिल रही।

कंपनी के रुपये एटीएम में जमा करने के बजाए 7 लाख रुपये का सट्टा खेल डाला

संवाददाता–बहराइच। जिले में बैंक एटीएम पर कस्टोडियन के रुप में तैनात दो लोगों पर सट्टे का ऐसा बुखार चढ़ा कि उन्होंने एटीएम में जमा करवाने को मिले लाखों रुपए से सट्टा खेल डाला। ऑडिट में खुलासा होने पर कंपनी के ऑपरेशन मैनेजर ने दोनों पर कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज करवाया है। बैंक एटीएम में पैसे जमा करवाने वाली कंपनी सीएमएस इंफोसिस्टम लिमिटेड के ऑपरेशन मैनेजर अजय कुमार मिश्रा ने आरोप लगाते हुए बताया कि बहराइच के बैंक एटीएम में सीतापुर ब्रांच की ओर से पैसे जमा करवाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि बैंकों में पैसा जमा करवाने के लिए कंपनी की ओर से हर जिले में कस्टोडियन नियुक्ति है। बहराइच में महेश कुमार व विनय तिवारी कंपनी के कस्टोडियन हैं।

अजय मिश्रा ने आरोप लगाते हुए बताया कि महेश कुमार ने एटीएम से 7.44 लाख रुपए निकाल कर उससे आईपीएल में सट्टा खेल लिया जिसकी आशंका होने पर मई 2023 में ऑडिटर अंकित शुक्ला से एटीएम की ऑडिट करवाई गई जिसमें पानी टंकी स्थित एक्सिस बैंक एटीएम से 1.60 लाख, डिगिहा स्थित आईसीआईसी एटीएम से 5.83 लाख, अस्पताल चौराहा स्थित एक्सिस बैंक एटीएम में 1500 रुपए की कमी मिली। पूछताछ में आरोपी ने लिखित रुप से निकाले गए पैसों से सट्टा खेलने और हारने की बात स्वीकार की। अजय मिश्रा ने आरोप लगाया कि 7.44 लाख के गबन में दोनों कस्टोडियन जिम्मेदार हैं। उन्होंने बताया कि महेश ने गबन किए रुपयों में से 5.40 लाख का भुगतान कर दिया है और बचे रुपए देने से मुकर रहा है। जिस पर कोतवाली नगर में दोनो पर केस दर्ज करवाया गया है। नगर कोतवाल मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

युवाओं को मिला रोजगार,ब्लाक में लगा रोजगार मेला

संवाददाता–गोण्डा। विकासखंड मनकापुर में शनिवार को भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले का उदघाटन मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख जगदेव चौधरी ने किया। रोजगार मेले हिस्सेदारी के लिए दर्जनो युवाओं ने पंजीकरण कराया था।जिसमे सात निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने युवाओं को रोजगार के लिए चयनित किया। मेले में यजाकी इंडिया, ग्रेट रिसोर्स प्राइवेट लिमटेड, वर्ल्ड मोबाइल सर्विस प्राइवेट लिमटेड, ब्राइट फ्यूचर प्राइवेट लिमटेड, एस एस प्राइवेट लिमिटेड, इन्टास प्राइवेट लिमटेड, इंटस बायोटेक हेल्थ केयर, लियो लाइट प्राइवेट लिमटेड कंपनियों के प्रतिनिधियों ने विभिन्न रिक्तियों के सापेक्ष युवाओं का साक्षात्कार कर चयन किया। इस अवसर पर विकास खंड के तमाम युवाओं ने प्रतिभाग किया। इसमें से 22 लोगो ने पंजीकरण कराया।जिसमें युवाओं को विभिन्न कंपनी में सेवायोजित कराया गया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी विजय कांत मिश्र, जिला समन्वयक प्रभुनाथ नाथ मिश्र, जिला कौशल प्रबंधक अविनाश प्रताप सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक दिग्विजय सिंह, रमेश कुमार शुक्ला, एडीओ पंचायत राकेश कुमार श्रीवास्तव, एपीओ अमित राव ,राजेश पान्डेय सहित कई मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद
स0प्र0 वाद सं. 41/2019
राजेश तिवारी
बनाम
तिलकधारी आदि
बनाम–1– तिलकधारी पाण्डेय पुत्र राममूर्ति पाण्डेय 2– अखिलेश पाण्डेय 3– अशोक पाण्डेय पुत्रगण तिलकधारी पाण्डेय निवासीगण ग्राम–मयाभीखी (लछिमनपुर) परगना अमसिन तहसील सदर
जनपद– अयोध्या
तारीख पेशी 16–01–2024
चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 01 के 16 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 23 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय फैजाबाद
स0प्र0 वाद सं. 16/2023
रामचन्दर आदि
बनाम
रिसियावन आदि
बनाम–1– रिसियावन 2– जैसराज 3– गुड्डू पुत्रगण स्वर्गीय मुन्नू 4– सीताशरन पुत्र रामदीन समस्त निवासीगण ग्राम– सोनौरा गाऊपुर परगना पश्चिमराठ तहसील बीकापुर
जनपद– अयोध्या
तारीख पेशी 13–01–2024
चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 01 के 13 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 23 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0
M.N.R.N0. 1/2024
अदादि सिंह
बनाम
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम मृतक–संजय सिंह पुत्र रणजीत सिंह ग्राम–ईटगांव परगना– खण्डासा तहसील मिल्कीपुर जिला – अयोध्या
मृत्यु दिनांक–23/03/2018
पेशी दिनांक– 07–02–2024
अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।
चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 02 के 07 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।
अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 07–02–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।
आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0
M.N.R.N0. 142/2023
रामजतन
बनाम
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम मृतक–मोहनलाल पुत्र स्वर्गीय जीते निवासी द्वारिका पाण्डेय का पुरवा मौजा गद्दोपुर परगना–हवेली अवध तहसील सदर
जिला – अयोध्या
मृत्यु दिनांक–27/10/2019
पेशी दिनांक– 25–01–2024
अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।
चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 01 के 25 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।
अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 25–01–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।
आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।
द0 हाकिम

किसान गोष्ठी में लगे भारत माता की जय के नारे

संवाददाता–गोरखपुर। तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत भेऊसा में शनिवार को किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि रहे रामेंद्र पांडेय एवं संतोष पांडेय जैविक खाद के रीजनल सेल्समैन रीबोजोम एवं परफेक्ट वेट के रहे। मुख्य अतिथि ने एक दर्जन से अधिक उन्नतशील किसानों को गमच्छा देकर सम्मानित किया। साथ में डिस्ट्रीब्यूटर लक्ष्मीकांत मौर्य फील्ड अस्सिटेंट गौरव तिवारी भी रहे। गोष्टी को संबोधित करने से पहले रिजिनल सेल्स मैनेजर ने सर्वप्रथम किसानों से भारत माता की जय के साथ जय जवान जय किसान के नारे लगवाए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जैविक खाद पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को बेहतर उत्पादन के लिए तकनीकी ढंग से खेती करने का सुझाव दिया। खरपतवार एवं कीटनाशक जैविक विधि से खात्मे की उपाय बताए। बीच–बीच में किसानों द्वारा किए गए प्रश्न का समाधान भी किया। इस अवसर पर भेऊसा एवं सिसवा के रामरक्षा दुबे, अवनींद्र नाथ तिवारी, अमरनाथ तिवारी, जेपी तिवारी, कमलेश दुबे, सत्यप्रकाश दुबे, अखिलेश विश्वकर्मा, सूरज कुमार, संगम प्रजापति, भगवान दयाल गुप्ता समेत एक दर्जन से अधिक किसानों को सम्मानित किया।

पीएचसी कौड़ीराम में 25 मरीजों में फाइलेरिया किट वितरित

संवाददाता–गोरखपुर। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कौड़ीराम में शनिवार को 25 फाइलेरिया मरीजों में किट वितरित की गई। इसमें बाल्टी, मग, टब, तौलिया, साबुन और आवश्यक औषधि रखा गया था। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष कुमार वर्मा ने मरीजों को बीमारी से बचाव के लिए आवश्यक जानकारी दी। मलेरिया निरीक्षक रवि कुमार मल्ल ने भी मरीजों को आवश्यक सलाह दी। इस अवसर पर विनय श्रीवास्तव, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक रवि प्रकाश राय, सुरेश साहनी, भुल्लन राम, संतोष सिंह आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने किया सैनिक स्कूल का निरीक्षण बोले- इसी सत्र से शुरू हो जाएगी पढ़ाई

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के सैनिक स्कूल में इसी सत्र से पढ़ाई शुरू हो जाएगी। सत्र प्रारंभ होने से पहले निर्माण कार्य पूर्णतः पूर्ण हो, इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को निर्माण के अंतिम चरण में पहुंच चुके सैनिक स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण की स्थलीय प्रगति जानने के साथ इसके मॉडल को भी देखा और जरूरी निर्देश दिए। सीएम योगी ने मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों व कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए सभी निर्माण कार्य 15 फरवरी तक हरहाल में पूर्ण कर लिए जाएं। खाद कारखाना परिसर में बन रहे सैनिक स्कूल का निरीक्षण करने के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2024–25 में इस सैनिक स्कूल में कक्षाओं का संचलन शुरू हो जाएगा। यह स्कूल गोरखपुर समेत समूचे पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए गौरव स्तम्भ दिखना चाहिए क्योंकि किसी भी क्षेत्र में सैनिक स्कूल का होना बड़ी उपलब्धि होती है। सैनिक स्कूल के मॉडल, एकेडमिक व प्रशासनिक ब्लॉक समेत पूरे परिसर के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने क्लास रूम, लैब व लाइब्रेरी का सघन अवलोकन कर उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली। बालक–बालिका छात्रावास, मेस, स्टेडियम के बारे में पूछताछ की। इस मौके पर उन्होंने पूर्ण और अपूर्ण कार्यों के बारे में पूछा और निर्देशित किया कि सभी अपूर्ण कार्य 15 फरवरी तक अवश्य पूरे कर स्कूल को हैंडओवर कर दिया जाए।

गोरखपुर का सैनिक स्कूल खाद कारखाना परिसर में आवंटित 50 एकड़ भूमि पर विस्तृत है। डेढ़ सौ करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले इस स्कूल का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 23 जुलाई 2021 को किया था। 'युवाओं को शिक्षा, देश की रक्षा' के ध्येय से निर्माणाधीन इस शैक्षिक प्रकल्प में कक्षा 6 से 12 तक बालक–बालिकाओं को आवासीय व्यवस्था के तहत शिक्षा प्रदान की जाएगी। छात्र–छात्राओं के लिए अलग–अलग कैंपस हैं। स्कूल का प्रशासनिक भवन प्राचीन भारतीय संस्कृति व परंपरा का दर्शन कराने वाला बना है। यहां बनने वाले हॉस्टल राष्ट्र नायकों के नाम से समर्पित होंगे। साथ ही कैंपस के अलग–अलग स्थानों का नामकरण सेना के जाबांजों के नाम पर किया जाएगा । सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों के खेलकूद की गतिविधियों के लिए खेलों के कई कोर्ट व मैदान भी विकसित हुए हैं या हो रहे हैं। गोरखपुर का सैनिक स्कूल सीएम योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट में सम्मिलित है। एक लंबे दौर तक गोरखपुर की पहचान अपराध की नर्सरी के रूप में रही। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में हासिल उपलब्धियों से बदनाम पहचान बदल गई है। अब गोरखपुर की पहचान विकास के मॉडल रूप में होती है। इस मॉडल में सैनिक स्कूल भी एक नगीने के रूप में होगा। यह स्कूल राष्ट्र रक्षा की नर्सरी बनेगा। इसके जरिये छात्र फौज में अफसर बनेंगे। देश की सीमाओं की रक्षा करेंगे। सैनिक स्कूल की सौगात सिर्फ युवा छात्रों के लिए ही नहीं, गोरखपुर की अपनी निजी पहचान और शान के लिहाज से भी बेहद खास है।

दिल्ली में 26 जनवरी को परेड में शामिल होंगे प्रधान मदन मुरारी

संवाददाता–गोरखपुर। आगामी 26 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने के लिए केंद्र सरकार की तरफ से गांव की सरकार को भी न्योता भेजा गया है। हरपुर गांव की सरकार को भी शामिल होने का आमंत्रण मिला है। हरपुर के ग्राम प्रधान व पंचायती राज विभाग के सलाहकार मदन मुरारी उर्फ गुड्डू परेड में भाग लेने वाले जिले के इकलौते ग्राम प्रधान होंगे।

केंद्र सरकार की तरफ से 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय परेड में उत्तर प्रदेश से 76 प्रधानों को शामिल होना है। पंचायती राज केंद्र सरकार ने गोरखपुर जनपद के सहजनवां विकास खंड के हरपुर के ग्राम व पंचायती राज विभाग के सलाहकार मदन मुरारी उर्फ गुड्डू को भी आमंत्रण भेजा है। ग्राम प्रधान हरपुर ने बताया कि उन्हें आमंत्रण प्राप्त हो चुका हैह जिस पर उनकी सहमति भी दी जा चुकी है। हरपुर ग्राम प्रधान को वर्ष 2007 में निर्मल ग्राम और वर्ष 2022 में मुख्यमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है ।सहजनवा बीडीओ रमेश शुक्ल ने बताया कि उन प्रधानों को परेड शामिल कराने का मौका प्रदान किया जा रहा जो पिछले दो वर्षों में राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार और मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना से सम्मानित हो चुके हैं। केंद्र सरकार उन्हें सीधे आमंत्रित कर रही है।

'मौन व्रत, एक टाइम खाना, ब्रह्मचर्य के वो 10 नियम, जिसका पालन करेंगे राम मंदिर के यजमान

संवाददाता–अयोध्या। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इस उद्घाटन समारोह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा सनातन धर्म के अनुसार की जाएंगी। 84 सेकंड के इस ब्रह्ममुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा करने वाले यजमान को 8 दिन के ब्रह्मचर्य का पालन करना होगा। एक न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस उद्घाटन समारोह में एक दंपति मुख्य यजमान होंगे, जिनके नाम अभी तक सामने नहीं आए हैं। इस यजमान दंपति को भी उद्घाटन समारोह से पहले 8 दिन ब्रह्मचर्य के नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। करीब 45 नियमों का पालन करने के बाद दंपति इस अनुष्ठान को कराने योग्य बन पाएंगे। 8 दिन पहले यानी 15 जनवरी से यह ब्रह्मचर्य जीवन शुरू हो जाएगा जो लगभग 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद खत्म होगा। फलाहार खाएंगे और रात को एक टाइम का खाना खाएंगे। बाहर का खाना और

जंक फूड से बचें। रात्रि में आरती के बाद, सात्विक आहार का पालन करना चाहिए। सफेद नमक की बजाय सेंधा नमक का उपयोग करना उचित है। बीड़ी या सिगरेट पीना पूरी तरह से वर्जित रहेगा। शराब और अन्य नशे से दूर रहें। बोतलबंद पानी और बर्फ से बचें। मौन व्रत रखना होगा। मानसिक शांति का सदुपयोग करें। लड़ाई, झगड़ा, क्रोध, और कटु वचनों से परहेज करें। सत्य को पूरी तरह से बोलना चाहिए। अगर किसी स्थिति में सच बोलना कठिन होता है और नुकसानकारी हो सकता है, तो उस समय मौन बनाए रखना चाहिए। प्रतिदिन ब्राह्मणों की सेवा करना आवश्यक है। पूजा पाठ के बाद, उन्हें फलाहार स्वीकार करवाने के बाद ही भोजन करना चाहिए। राम नाम का जाप और तप करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। तेल से बनी वस्तुएं, चावल, गुड़, नमकीन, अंडा, मांस, प्याज, लहसुन, मूली, बैंगन, हल्दी, सरसों, और उड़द की दाल का सेवन करना अविमाननीय है। भगवान के पूजन के बाद ही दिनभर में फलाहार और खाना खा पाएंगे। जरूरी हो तो दवाई ले सकते हैं। पुरुषों को सिले हुए और सूती कपड़े पहनने से बचाव करना चाहिए। महिलाएं लहंगा–चोली पहन सकती हैं, जिसमें सूती कपड़े शामिल हो सकते हैं। ऊनी स्वेटर पहन सकेंगे। कंबल ओढ़कर ही सो पाएंगे। दिन में सोना वर्जित है। रात्रि में, सोने के लिए एक लकड़ी की चौकी पर होना चाहिए। खाट पर बैठना और सोना मना है। दिनभर के काम होने से पहले बिस्तर पर बैठना वर्जित है। रोज दाढ़ी बनानी होगी। नाखून काटने होंगे।

डीडीयू में प्रथम की जगह बंट गया द्वितीय प्रश्नपत्र, परीक्षा स्थगित

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर परीक्षाओं में बड़ी चूक सामने आई है। बीए पंचम सेमेस्टर राजनीति शास्त्र की परीक्षा में शनिवार को प्रथम की जगह द्वितीय प्रश्नपत्र बंट गया। प्रश्नपत्र का कवर बदलने के कारण यह चूक हुई है। यह चूक किस स्तर पर हुई, यह पता नहीं चल सका है। डीडीयू से लेकर गोरखपुर, देवरिया और कुशीनगर तक के कॉलेजों में इसे लेकर करीब 30 हजार से अधिक परीक्षार्थी प्रभावित हुए हैं। कई जगहों से उनके हंगामे की भी खबर आ रही है। फिलहाल डीडीयू प्रशासन ने परीक्षा स्थगित कर दी है। छह जनवरी को होने वाली परीक्षा अब 8 जनवरी को होगी। आठ जनवरी को होने वाली परीक्षा अब 27 जनवरी को संभावित है। बताते हैं कि डीडीयू और सम्बद्ध महाविद्यालयों में 6 जनवरी को स्नातक पंचम सेमेस्टर के राजनीति शास्त्र की परीक्षा पूर्वाह्न 11रू30 से 1 बजे तक निर्धारित थी। इसमें प्रथम प्रश्नपत्र तुलनात्मक शासन एवं राजनीति (पेपर कोड पीओएल 301) की परीक्षा होनी थी। सभी पेपर के बंडल पर पेपर कोड और प्रश्नपत्र का नाम सही था। परीक्षा के लिए जब सभी केन्द्रों पर पेपर खोला गया तो उसमें कवर पर भी पेपर का नाम और कोड सही था। पेपर बंटने के बाद जब परीक्षार्थियों ने प्रश्नपत्र को पलटना शुरू किया तब जाकर इसका पता चला।

लोक प्रशासन (पेपर कोड पीओएल 302) के थे। इसकी परीक्षा 8 जनवरी को होनी थी। छात्र–छात्राओं ने दूसरा पेपर मिलने की शिकायत की। इस दौरान तत्काल कोई निर्णय विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा नहीं लिए जाने पर कई केन्द्रों पर छात्रों ने हंगामा शुरू कर दिया। कई छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें आज ही द्वितीय प्रश्नपत्र की परीक्षा दिए जाने का दबाव बनाया जाने लगा। लेकिन छात्रों ने तैयारी न होने का हवाला देते हुए यह प्रश्नपत्र हल किए जाने से इनकार कर दिया। इधर डीडीयू प्रशासन के पास भी कॉलेजों से लगातार फोन आने लगे। इसके बाद परीक्षा स्थगित करने का निर्णय लिया गया। डीडीयू प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच बैठा दी है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। प्रथम दृष्टया इसे मानवीय भूल बताया जा रहा है। परीक्षा नियंत्रक डॉ कुलदीप सिंह ने कहा कि यदि किसी महाविद्यालय द्वारा यह परीक्षा सम्पन्न करा ली गई है तो उनके उत्तर पुस्तिकाओं का पैकेट परीक्षा केन्द्र पर पृथक रूप से सुरक्षित रखा जाए। कई परीक्षा केन्द्रों पर स्नातक राजनीति शास्त्र पेपर कोड 301 की जगह छात्रों को पेपर कोड 302 की परीक्षा जबरिया कराई गई। छात्रों पर परीक्षा देने का दबाव भी बनाया जा रहा था। उन्हें पास करने का लालच देकर परीक्षा देने के लिए कहा जा रहा था। अपनी त्रुटियों को छुपाने की कोशिश विश्वविद्यालय प्रशासन करता रहा। उन्होंने इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि परीक्षा स्थगित होने के कारण हजारों बच्चों को नुकसान तो उठाना ही पड़ा, विश्वविद्यालय प्रशासन को भी लाखों रुपये की क्षति हुई है।

पति समेत पांच के खिलाफ गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक गांव में ससुरालियों ने महिला की जमकर पिटाई कर दी। महिला की कालेज में आईसीयू में इलाज चल रहा है। जहां उसकी हालत गम्भीर बतायी जा रही है। महिला के पिता की तहरीर पर पुलिस ने उसके पति समेत पांच लोगों के खिलाफ गम्भीर धाराओं में केस दर्ज कर ली है। पीपीगंज थाना क्षेत्र के राजाबारी निवासी प्रेम नारायण 14 वर्ष पहले अपनी बेटी लक्ष्मीना की शादी गुलरिहा क्षेत्र के जंगल डुमरी नंबर एक टोला चंबल घाटी निवासी दिलीप कुमार के साथ किया है। दंपति के दो बच्चे है। आरोप है कि एक जनवरी को लक्ष्मीना का पति दिलीप, ससुर उदयभान, सास गिलासी देवी, ननदें मुनिया एवं उषा उसे बुरी तरह मारपीटकर घायल कर दिए। महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। महिला का मेडिकल कालेज के आईसीयू में इलाज चल रहा है। जहां उसकी हालत गम्भीर बनी हुई है। पीड़ित पिता का आरोप है कि इससे पहले ससुरालियों द्वारा दहेज एवं मोटर सायकिल की मांग को लेकर उसकी पुत्री को मारापीटा गया था। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

मनकापुर–अयोध्या एक्सप्रेस कैंसिल

संवाददाता–अयोध्या। बाराबंकी– अयोध्या कैण्ट–अकबरपुर– जफराबाद रेल खंड मार्ग दोहरीकरण की वजह से कई ट्रेनें निरस्त कर दी गई है। इसके अलावा कई ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। ये ट्रेने अयोध्या होकर नहीं जाएंगी, बल्कि परिवर्तित मार्ग से जाएंगी। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी दीपक कुमार की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक मनकापुर– अयोध्या कैण्ट एक्सप्रेस एवं मनकापुर– अयोध्या एक्सप्रेस आठ से 13 जनवरी तक निरस्त रहेगी। इसके अलावा सुल्तानपर होकर जाने वाली ट्रेनों में आठ व 10 जनवरी को टाटा– अमृतसर जलियावाला बाग, 11 जनवरी को दुर्ग– नौतनवां एक्सप्रेस शामिल है।

इसके अलावा सात व नौ जनवरी को लोकमान्य तिलक तुलसी एक्सप्रेस सुल्तानपुर तक की आएगी और यहां से रवाना भी होगी। आठ जनवरी को अयोध्या कैण्ट लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस सुल्तानपरु तक आएगी। मरवर संगम एक्सप्रेस आठ, नौ, 10 व 12 फरवरी को ईंधन के लिए अयोध्या कैण्ट तक आएगी। अयोध्या कैण्ट – प्रयागराज संगम एक्सप्रेस आठ से 13 जनवरी तक मसौधा तक आएगी।

रामलला को भेंट करने के लिए सीताजी के मायके से आई सामग्री

संवाददाता–अयोध्या। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर देश के अलग–अलग राज्यों से उनके लिए कुछ न कुछ भेजा जा रहा है ऐसे में प्रभु श्रीराम की ससुराल से कुछ न आए ऐसा कैसे हो सकता है। प्राण प्रतिष्ठा के लिए सीताजी के मायके जनकपुर नेपाल से भेंट भेजी गई है। सर्दी में कार्यक्रम होने की वजह से गर्म कपड़े के तौर पर रामलला को कोट और ब्लेजर भी भेजा गया है।

सीताजी के मायके से रामलला के लिए कपड़े, चांदी की थाल, सुहाग की निशानी और आभूषण सहित कई अन्य चीजें भेजी की गई हैं। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश भर में उत्साह का माहौल है तो राम नगरी में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा राम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित होने वाली रामलला की मूर्ति श्यामल होगी। स्थापना के लिए तीन मूर्तिकारों ने अलग–अलग मूर्तियां बनाई हैं। उनमें से एक मूर्ति को स्वीकार कर लिया गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने शुक्रवार को बताया कि पैर की अंगुली से लेकर ललाट तक रामलला की मूर्ति की ऊंचाई 51 इंच होगी। इसके ऊपर मुकुट व आभामंडल होगा। 18 जनवरी को अचल मूर्ति को अपने आसन पर विराजित कर दिया जाएगा। यह अचल मूर्ति डेढ़ टन की और श्यामल पत्थर की है।

बहू के हत्यारोपी ससुर का जमानत प्रार्थना पत्र जिला जज ने किया निरस्त

संवाददाता–संतकबीरनगर। दहेज के लिए बहू की हत्या करने के आरोपी ससुर का जमानत प्रार्थना पत्र जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम की कोर्ट ने निरस्त कर दिया। आरोपी ससुर शिव प्रसाद यादव उर्फ बबलू पर पांच लाख रुपए दहेज की मांग को लेकर लुधियाना में बहू की हत्या करने का आरोप लगाया गया है। प्रकरण में सह आरोपियों का जमानत प्रार्थना पत्र पहले ही निरस्त हो चुका है। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने बताया कि प्रकरण में मृतका के पिता शंकर प्रसाद ने अभियोग पंजीकृत कराया था। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली खलीलाबाद को दिए प्रार्थना पत्र में वादी का आरोप है कि उसने अपनी पुत्री की शादी हेमन्त यादव पुत्र शिव प्रसाद यादव ग्राम खुटवा थाना बखिरा के साथ 11 मई 2022 को की थी। उसने शादी में अपनी क्षमता के अनुसार दान दहेज भी दिया था। शादी के कुछ दिन बाद से ही पति हेमन्त यादव, ससुर शिव प्रसाद यादव पुत्र बलिराम यादव, शिवप्रसाद की औरत और उनकी लड़की रानी दहेज में पांच लाख रुपए की मांग करने लगे और कहा कि तुम्हारे मां–बाप कम दहेज दिए हैं। वादी ने अपनी बिरादरी में पंचायत कराई और कहा कि आप लोग लड़की रखिए। मैं व्यवस्था करके धनराशि दे दूंगा। लड़की के ससुर एवं पति लुधियाना में प्राइवेट नौकरी करते हैं। लगभग 15 दिन पहले लड़की को लेकर लुधियाना गए थे। वादी की पुत्री ने फोन पर बताया कि उसे सही ढंग से नहीं रख रहे हैं और आपस में कड़वाहट चल रही है। 13–14 नवम्बर 2023 की रात बाबा नामदेव कालोनी गली नम्बर 2 मकान नम्बर 149 वजीरपुर पिंड वार्ड नम्बर 6 थाना तिब्बा रोड प्रेम विहार लुधियाना पंजाब में दहेज के लिए हत्या कर दी और पति एवं ससुर एम्बुलेंस से शव लेकर आए। पुलिस ने दहेज हत्या का अभियोग पंजीकृत किया। कोतवाली पुलिस ने दिनांक 16 नवम्बर को पति एवं ससुर को गिरफ्तार किया। आरोपी ससुर के जमानत प्रार्थना पत्र का जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने विरोध किया। जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम की कोर्ट ने आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय भानपुर बस्ती जिला–बस्ती
कुवर वीरेन्द्र सिंह
बनाम
भानुप्रताप सिंह आदि
1. भानुप्रताप सिंह पुत्र फौजदार सिंह 2. सुवाष सिंह पुत्र रामनाथ सिंह 3. महेश कुमार पुत्र रामानन्द सिंह 4. सुरेश कुमार सिंह, 5. इन्द्रजीत सिंह 6. अनिल सिंह पुत्रगण दीप नरायन सिंह व ग्राम प्रधान ग्राम पं0 तुरकौलिया राय तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 11–01–20224
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 11 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 05 माह 01 सन 2024 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं
T 202217140203853
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय भानपुर बस्ती जिला–बस्ती
वीरेन्द्र कुमार
बनाम
दयाराम आदि
1. रामनेवास पुत्र झिनकान 2. चम्पा पत्नी जगराम 3. लीलावती पत्नी लालजी 4. शोभा पत्नी विश्राम 5. प्रेम पत्नी लालमोहन 6. प्रमिला पत्नी महेश 7. मीना पत्नी फूलचन्द्र 8. कलावती पत्नी कासिन्दर सिंह भाना पत्नी मुनेसर 9. सावित्री 10. सालिक 11. ठाकुर पुत्रगण फेरई साकिनान मौजा भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती नगर पंचायत भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती नगर
तारीख पेशी 08–01–20224
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 05 माह 01 सन 2024 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
उत्तराधिकार प्रकीर्ण वाद सं. 130/2023
शिवेन्द्र बहादुर पाल –सायलान
1. शिवेन्द्र बहादुर पाल उम्र लगभग 58 साल पुत्र राजेश्वरी पाल 2. रसिकेन्द्र बहादुर पाल उम्र लगभग 54 साल पुत्र राजेश्वरी पाल 3. मनोरमा उम्र लगभग 62 वर्ष पुत्री राजेश्वरी पाल विवहित साकिन रसूलपुर तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 12–02–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती बतारीख पेशी 12–02–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा। अलमरकूम 06 माह 01 सन 2024 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस
(धारा–63 अनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1)
न्यायालय– श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 418/11/2023
थाना–नगर
जिला–बस्ती
श्रीमती श्वेता देवी आदि
बनाम
सन्तलाल
तारीख पेशी 20–01–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 सी0आर0पी0सी0
विपक्षी–सन्तलाल उम्र करीब 37 साल पुत्र माधवा निवासी ग्राम अइलिया पो0 परसांव थाना कलवारी जिला बस्ती
विपक्षी के नाम
चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी. आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 01 मास के 20 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।
सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।
हस्ताक्षर
प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं. 292/2023
रामदीन –सायलान
1. रामदीन 2. दुर्गा प्रसाद 3. रामानन्द 4. फूलचन्द्र पुत्रगण स्व0 सुखराज 5. श्रीमती कलाउ 6. श्रीमती हीराउ पुत्रीगण स्व0 सुखराज साकिनान मौजा रामनगर तप्पा आदमपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 08–01–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 08–01–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com